राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 136 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये

दुर्ग, बुधवार 08 अप्रैल 2026

www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के पास विस्फोटक का जखीरा मिला, इलाके में अलर्ट जारी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय से 2 किलोमीटर दूर विस्फोटकों का जखीरा मिलने से हड़कंप मच गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाके में नियमित निगरानी के दौरान विस्फोटक सामग्री देखी गई थी, जिसके बाद तुरंत बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक टीमों बुलाया गया। इलाके में घेराबंदी की गई और अलर्ट जारी किया गया है। इलाके में और विस्फोटक की संभावना को देखते हुए बड़ा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुबह सीए रोड स्थित दोसर भवन चौक के एक घर के छोटे गार्डन में विस्फोटक मिलने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान मौके से 15 जिलेटिन छड़े, 58 डेटोनेटर और 8 कनेक्टर बरामद हुए हैं। अनुमान है कि विस्फोटक यहां पिछले डेढ़ महीने से रखे थे। पुलिस सभी विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से जब्त कर दूसरी जगह ली गई और उनकी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि यह इलाका बेहद संवेदनशील है। जहां विस्फोटक मिला है, वहां से 200 मीटर दूर जामा मस्जिद, 500 मीटर दूर पोद्दारेश्वर राम मंदिर और 2 किलोमीटर दूर आरएसएस मुख्यालय है। पुलिस ने संभावना जताई है कि हाल में यहां के काटोल इलाके में एसबीएल कंपनी में विस्फोटक हादसा हुआ था, जहां डेटोनेटर समेत अन्य विस्फोटक बनते हैं। ऐसे में यह विस्फोटक कंपनी का बताया जा रहा है। पुलिस सभी कोणों से मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली समेत 20 राज्यों में बारिश-अंधड़ और ओलावृष्टि का अलर्ट

नईदिल्ली। नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते सुबह-सुबह कई राज्यों में बारिश शुरू होने से मौसम बदल गया है। कई स्थानों पर बादल छाए हुए हैं, जिससे अप्रैल में ही मानसून आने का अहसास हो रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान समेत 20 राज्यों में बारिश के सा आंधी ओर ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, 8 अप्रैल को भी मौसम खराब रहने के आसार हैं। दिल्ली में आज सुबह कई इलाकों में सुबह हल्की बारिश देखने को मिली। 7-8 अप्रैल को तेज हवाएं चलने के साथ बादल छाने और बारिश होने के अलावा कहीं बौछारें पड़ने और ओले गिरने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, 7 अप्रैल को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री और अधिकतम 31 डिग्री रह सकता है, जबकि 8 अप्रैल को इसमें गिरावट आ सकती है। मौसम में आए बदलाव के कारण वायु की गुणवत्ता में भी थोड़ा सुधार हुआ है।

आईएमडी के मुताबिक, आज हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट है। साथ ही इन राज्यों में 10 अप्रैल तक बर्फबारी या ओलावृष्टि होने की भी संभावना बनी हुई है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा में 7-9 अप्रैल के बीच बादलों के बरसने के पूरे आसार हैं। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और दक्षिण राज्यों में मेघ मेहरबान होंगे और कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में चूक का मामला, पुलिस जांच में हुए नए खुलासे

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में चूक के मामले की जांच में नए तथ्य सामने आए हैं। गिरफ्तार सरबजीत सिंह मेंटली डिसटर्ब बताया जा रहा है जो अपने भांजे के लापता होने से परेशान था। कहा जा रहा है कि उसने दिल्ली पुलिस का ध्यान खींचने के लिए ये हरकत की, लेकिन पुलिस इन बातों पर यकीन नहीं कर रही और मामले की गहनता से जांच करने में जुटी हुई है। दरअसल, सोमवार को सरबजीत सिंह अपनी गाड़ी लेकर वीवीआईपी गेट से दिल्ली विधानसभा परिसर में घुस गया। उसने स्पीकर की गाड़ी के पास फूलों का गुलदस्ता रखा और बिना किसी रोक-टोक के निकल गया। ये घटना सामने आते ही सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। इसके बाद विधानसभा परिसर के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। बताया जा रहा है कि सरबजीत ने दिल्ली पुलिस का अटेंशन पाने के लिए विधानसभा में गाड़ी घुसाई।

बस्तर में शांति के बाद विकास का नया चरण : 'बस्तर रोडमैप 2.0' पर प्रधानमंत्री मोदी चर्चा

प्रधानमंत्री से मुलाकात में नक्सलवाद समाप्ति पर आभार, बस्तर के समग्र विकास की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर बस्तर के समग्र, समावेशी एवं सतत विकास के लिए तैयार 'बस्तर रोडमैप 2.0' का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश की तीन करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके संकल्प और मार्गदर्शन में 31 मार्च तक माओवाद के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि अब बस्तर में शांति स्थापित होने के बाद राज्य सरकार का फोकस तेजी से विकास, रोजगार सृजन और जनजीवन को सशक्त बनाने पर है। इसके तहत बस्तर रोडमैप 2.0 में एग्रो एवं एग्रो-फॉरेस्ट सेक्टर, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, और पर्यटन विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

'नियद नेल्ला नार' योजना की सफलता पर प्रधानमंत्री ने जताई प्रसन्नता

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को बस्तर में अब तक किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज की रणनीति पर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से 'नियद नेल्ला नार योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की

और कहा कि इससे गंभीर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत किए गए कार्यों का नेशनल काउंसिल फॉर एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (ह्रष्टश्वक्र) द्वारा थर्ड पार्टी मूल्यांकन कराया गया है। सर्वे के अनुसार 93 प्रतिशत गांवों में प्राथमिक स्कूल उपलब्ध हैं, जहाँ 97 प्रतिशत बच्चों को मध्याह्न भोजन, गणवेश एवं पुस्तकें मिल रही हैं। 97 प्रतिशत गांवों में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जबकि अधिकांश गांव आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से जुड़े हैं और 89 प्रतिशत ग्रामीणों का आयुष्मान कार्ड बन चुका है।

कनेक्टिविटी, आजीविका और सामाजिक सशक्तिकरण पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर रोडमैप 2.0 के तहत 'नियद नेल्ला नार योजना' का विस्तार करते हुए अब इसमें 10 जिलों को शामिल किया जा रहा है, जिनमें बस्तर के 7 जिलों के साथ गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई भी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना प्रारंभ की गई है, जो वर्तमान में बस्तर के 38 मार्गों पर संचालित है। साथ ही, बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों से क्षेत्र में आत्मगौरव और नई ऊर्जा का संचार हुआ है। नक्सल-मुक्त पंचायतों में एल्वद योजना के तहत एक करोड़ रुपए तक के विकास कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं, वहीं आत्मसमर्पित नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से विस्तार

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को बताया कि दंतेवाड़ा एजुकेशन सिटी की तर्ज पर ओरछा और जगरगुंडा में भी एजुकेशन सिटी बनाई जा रही है। जगदलपुर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रारंभ हो चुका है तथा दूरस्थ क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्र भी अब सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं। दंतेवाड़ा के गीदम में

अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की आधिकारिक राजधानी, राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद नया कानून लागू

नईदिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में अमरावती को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। उनके हस्ताक्षर के बाद सोमवार को केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी की गई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

नायडू ने अधिसूचना को एक्स पर साझा कर लिखा, आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। पिछले दिनों संसद के बजट सत्र के दौरान आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम संशोधन विधेयक 2026 को दोनों सदनों में बहुमत से पारित किया गया था।

वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश से तेलंगाना राज्य निकला। तब हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बनी, लेकिन आंध्र के पास स्थायी राजधानी न होने से 10 साल तक हैदराबाद दोनों की संयुक्त राजधानी रही। नायडू अमरावती को राजधानी बनाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन वर्ष 2019 में जगन मोहन रेड्डी की सरकार आने के बाद अमरावती में विकास रुक गया। उन्होंने 3 राजधानी मॉडल दिया, जिसमें विशाखापट्टनम को कार्यकारी राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुर्नूल को न्यायिक राजधानी बनाया।

वर्ष 2024 में नायडू सरकार आने पर उन्होंने 3 राजधानी मॉडल को रद्द कर अमरावती को एक स्थायी राजधानी बनाने पर जोर दिया, जिसमें सफलता मिली है। अमरावती नियोजित ग्रीनफील्ड राजधानी परियोजना है। इसके लिए किसानों ने स्वेच्छा से 34,000 एकड़ से ज्यादा भूमि दी है और लगभग 54,000 एकड़ भूमि परियोजना के लिए ली गई है। अमरावती आधुनिक ब्लू-ग्रीन सिटी बनेगा।

16 साल से फरार चल रहे आतंकी सरगना अबू हुरैरा समेत 5 गिरफ्तार

कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क का भंडाफोड़

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। श्रीनगर से अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अब्दुल्ला पिछले 16 सालों से फरार था। अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के बाहर लश्कर-ए-तैयबा के ठिकाने बनाने में कामयाब रहा था। पुलिस ने कहा कि अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब को भी इस बड़े अभियान में गिरफ्तार किया है। इस बड़ी कार्रवाई में जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ-साथ

केंद्रीय एजेंसियों ने भी भाग लिया। जांच एजेंसियों ने जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा सहित 19 जगहों की छापेमारी की गई। साथ ही आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है।

जांच में लश्कर-ए-तैयबा के एक गहरे नेटवर्क का खुलासा हुआ, जो आतंकवादियों को सामान और वित्तीय सहायता प्रदान करने में शामिल था। अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गए पांच लोगों में तीन श्रीनगर के रहने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को आश्रय और भोजन सहित रसद सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चलता है कि एक विदेशी आतंकवादी ने अन्य राज्यों में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क की मदद से जाली दस्तावेजों और पहचान पत्रों के आधार पर देश से बाहर यात्रा करने में कामयाबी हासिल की। ये आतंकवादी लगभग 16 साल पहले भारत में घुसपैठ कर चुके थे। इस दौरान कश्मीर घाटी के विभिन्न जिलों में सक्रिय रहे हैं। इन सालों में उन्होंने लगभग 40 विदेशी आतंकवादियों को संभाला और उनका नेतृत्व किया। इनमें से अधिकांश को सुरक्षा बलों ने मार

पश्चिम बंगाल चुनाव : 2.4 लाख अर्धसैनिक जवानों की सबसे बड़ी तैनाती, सख्त निगरानी जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है। खास बात यह है कि यह तैनाती पिछले चुनाव के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है, जो इस बार सुरक्षा को लेकर प्रशासन की गंभीरता को दर्शाती है। इतना ही नहीं, इस बार महिला सुरक्षा कर्मियों की भी रिकॉर्ड संख्या में तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 महिला अर्धसैनिक जवान, यानी लगभग 200 कंपनियां, चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं। सूत्रों का कहना है कि विभिन्न एजेंसियों, जिनमें चुनाव आयोग भी शामिल है, ने गृह मंत्रालय को महिला सुरक्षाकर्मियों की अधिक आवश्यकता के बारे में बताया था। इसके बाद ही इतने बड़े स्तर पर महिला बलों की तैनाती का फैसला लिया गया। अगर चुनाव कार्यक्रम की बात करें तो पश्चिम बंगाल की कुल 294 सीटों पर इस बार मतदान केवल दो चरणों में कराया जाएगा।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पीएम मोदी का संदेश

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए मिलकर करें काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण की सराहना की और सभी नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं, जो दूसरों की सेवा में अथक रूप से समर्पित हैं और एक स्वस्थ पृथ्वी के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हम एक स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। आइए, हम सभी मिलकर स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें। उन्होंने आगे कहा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैं सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मेरा आग्रह है कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास जरूर करें। लाघवं कर्मसामर्थ्यं दीप्तोऽग्निर्मेदसः क्षयः।

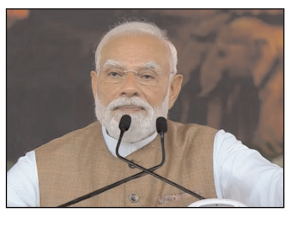

विभक्तघनगात्रत्वं व्यायामादुपजायते॥

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा, अच्छा स्वास्थ्य एक ऐसा चुनाव है, जिसे हम उचित देखभाल से बनाए रख सकते हैं। इस अवसर पर, आइए हम सभी उचित देखभाल, स्वस्थ खान-पान की आदतों और नियमित व्यायाम के माध्यम से एक स्वस्थ और सुदृढ़ समाज के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करें। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रखें और एक संतुलित जीवनशैली अपनाएं। स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत का दृष्टिकोण प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का एक अनूठा संगम है, जो न केवल देश के भीतर, बल्कि पूरे विश्व में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, आयुष्मान भारत और पीएम भारतीय जनऔषधि परियोजना जैसी परिवर्तनकारी पहलों ने हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाया है, जिससे हर नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण उपचार अधिक सुलभ, किफायती और समावेशी बन गया है। उन्होंने आगे कहा, हम उन सभी डॉक्टरों, नर्सों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके समर्पण से हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मज़बूत बनी हुई है। आइए, हम सब मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में काम करें। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी विश्व स्वास्थ्य दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा, मैं हमारे डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्यकर्मियों और फ्रंटलाइन कर्मियों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने करुणा और समर्पण के साथ मानवता की सेवा करते हुए, राष्ट्र को स्वस्थ रखने के लिए अथक परिश्रम किया है।

असम पुलिस पाताल से भी लोगों को ढूंढकर ला सकती है, पवन खेड़ा पर सीएम हिमंत ने कसा तंज

जोरहाट (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, आरोप लगाने से पहले उन्हें विदेश मंत्री से पूछना चाहिए था। खरगे जी की उम्र हो गई है, फिर भी वे इस तरह बोलते हैं। असम पुलिस पाताल से भी लोगों को ढूंढकर ला सकती है। मुझे शक है कि राहुल गांधी ने उन्हें ये डॉक्यूमेंट्स दिए हैं। इसलिए यह केस राहुल गांधी तक जाएगा। हमें डराने की कोशिश मत करो। यह असम है और हमने 17 बार इस्लामिक हमले के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस के सीनियर नेता पवन खेड़ा के असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर दिए बयान से बवाल मचा है। आज उनके घर पर असम पुलिस ने दबिश दी थी। कहा जा रहा था कि असम पुलिस पवन खेड़ा को अरेस्ट करने आई है लेकिन पवन खेड़ा घर पर मौजूद नहीं थे। असम पुलिस आज यानी मंगलवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। इसके पीछे की वजह ये थी कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

एयर इंडिया ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का किराया बढ़ाया, 8 अप्रैल से होगा लागू

नईदिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी एशिया में संघर्ष के कारण जेट ईंधन का संकट पैदा हुआ है। इसे देखते हुए एयर इंडिया ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों पर ईंधन अधिभार बढ़ा दिया है। इससे यात्रियों की जेब पर फर्क पड़ेगा और बढ़ा हुआ किराया देना होगा। बढ़ा किराया 8 अप्रैल से लागू होगा।

किराए में बढ़ोतरी ऐसे समय पर हुई है, जब एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

एयर इंडिया ने पहले के निश्चित शुल्क के स्थान पर दूरी-आधारित किराया बढ़ाया है, जिससे यात्री द्वारा भुगतान की जाने वाली अतिरिक्त राशि उनकी यात्रा की दूरी पर निर्भर करेगी। अब 500 किलोमीटर तक की छोटी उड़ानों के लिए 299 रुपये, 501 से 1,000 किमी के बीच 399 रुपये, 1,001 से 1,500 किमी के बीच 549 रुपये, 1,501 से 2,000 किमी के बीच 749 रुपये और 2,000 किलोमीटर से अधिक की उड़ान यात्रा के लिए 899 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। एयर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बांग्लादेश को छोड़कर सार्क जैसे निकटवर्ती क्षेत्रों के लिए अब प्रति यात्री प्रति सेक्टर लगभग 2,232 रुपये का अतिरिक्त भुगतान करना होगा। पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) के लिए 4,650 रुपये, चीन और दक्षिणपूर्व एशिया (सिंगापुर छोड़कर) के लिए 9,300 रुपये, सिंगापुर के लिए 5,580 रुपये, अफ्रीका के लिए 12,090 रुपये, ब्रिटेन के लिए 19,065 रुपये अतिरिक्त देना होगा। उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे लंबी दूरी के मार्गों पर करीब 26,040 रुपये का भुगतान करना होगा।

पहले कनेक्टिंग उड़ान का किराया कम माना जाता था, लेकिन एयर इंडिया ने प्रति यात्री-प्रति सेक्टर के हिसाब से बढ़ोतरी लागू की है, जिससे कनेक्टिंग उड़ान महंगी हुई है। सेक्टर का मतलब यात्रा के चरण से है, जैसे- दिल्ली-मुंबई की सीधी उड़ान एक सेक्टर है। अगर कोई कनेक्टिंग यात्रा (दिल्ली-मुंबई वाया बेंगलुरु) बुक करेगा तो उसे 2-3 सेक्टरों में गिना जाएगा और प्रत्येक चरण के लिए ईंधन अधिभार अलग से लगेगा। यानी सीधी उड़ान से ज्यादा अधिक किराया देना होगा। वैश्विक जेट ईंधन की कीमतें मार्च के अंत में बढ़कर 195.19 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई हैं, जो फरवरी के अंत में 99.40 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी।

खबर-खास

इंडियन टैलेंट ओलंपियाड में वन्दे मातरम् आदर्श विद्यालय मालखरौदा के दो विद्यार्थी स्टेट टॉपर और दो विद्यार्थी नवोदय में हुए चयन तथा छः विद्यार्थी एक्सीलेंस मेडल अवॉर्ड हासिल किए

जांजगीर/ शक्ति (समय दर्शन)। देश के नंबर वन इंडियन टैलेंट ओलंपियाड की फाइनल एग्जाम में वन्दे मातरम् आदर्श विद्यालय मालखरौदा के 8 छात्र छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मैथ्स एवं इंग्लिश में दो विद्यार्थी कु. छाया सोनवाने व चिराग पटेल स्टेट टॉपर बने तथा छः विद्यार्थी कृष्णा चंद्रा, चिराग यादव, कु. गरिमा कर्ष, कु. भूमिका साहू, कु.प्रीवर महंत, कु. दीपांजलि बरेठ ने एक्सीलेंस मेडल अवॉर्ड हासिल करते हुए ओलंपियाड पुरस्कार विजेता बने।

साथ ही दो विद्यार्थी कु. भूमिका साहू पिता गणपत साहू एवं कु. उर्वशी चंद्रा पिता एकलव्य चंद्रा जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित हुए जिसमें कु. भूमिका साहू पूरे जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त की है।

ज्ञातव्य हो कि मालखरौदा अंचल का एकमात्र प्रतिष्ठित संस्थान वन्दे मातरम् आदर्श विद्यालय मालखरौदा में विद्यार्थियों की प्रतिभा को उभारने प्रतिवर्ष विभिन्न ओलंपियाड परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है जिसमें विद्यार्थी बड़ी संख्या में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल कर रहे है।

साथ ही प्रतिवर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित हो कर विद्यालय सहित अपने माता पिता और परिवार जनों का नाम रौशन कर रहे है। संस्था के प्राचार्य बी. डी. मेहेर एवं विद्यालय परिवार द्वारा सभी विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान किये।

आशीष रामटेके बने शहर कांग्रेस कमेटी के सचिव

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव शहर की नवगठित कार्यकारिणी को मंजूरी प्रदान कर दी है। यह कार्यकारिणी जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव शहर के अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार द्वारा प्रस्तावित की गई थी, जिसे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा अनुमोदित किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री (संगठन एवं प्रशासन) मलकीत सिंह गैंदू ने स्वीकृति पत्र जारी करते हुए सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं। नवगठित कार्यकारिणी में आशीष रामटेके जैसे अनुभवी और ऊर्जावान युवा नेता को जिम्मेदारी दिए जाने से संगठन को विश्वास है कि, कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। नई कार्यकारिणी के गठन में युवा नेता आशीष रामटेके को शामिल करने से शहर में कांग्रेस संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। आशीष आगामी समय में जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए संगठन विस्तार को गति प्रदान करेंगे।

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार ने आशीष रामटेके सहित सभी नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की है किए वे संगठन की नीतियों एवं विचारधारा को जन.जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। यह नियुक्ति निश्चित रूप से कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होगी तथा आगामी समय में जनसेवा के कार्यों को नई दिशा प्रदान करेगी।

कोलावाड़ा एवं चेचालगुर के चैत्र मेला में शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

जगदलपुर (समय दर्शन)। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के नानगुर मंडल के ग्राम कोलावाड़ा एवं चेचालगुर में प्रतिवर्ष चैत्र में वार्षिक मेला का आयोजन किया जाता है । मंगलवार को आयोजित वार्षिक चैत्र जात्रा मेला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव ने मां कोदईगुड़ी परदेशीन माता मंदिर पहुंच पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ प्रदेश व बस्तर की सुख समृद्धि की माता से कामना किया। कोलावाड़ा एवं चेचालगुर में आयोजित वार्षिक चैत्र मेला में ग्रामवासियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक काधुरवा नाचा के साथ पारंपरिक रूप से ग्रामवासियों ने तिलक लगाकर स्वागत व अभिनंदन किया । कोलावाड़ा एवं चेचालगुर में आयोजित मेला में काफी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण लोग उपस्थित थे। वार्षिक मेला में विधायक किरण देव ने कहा कि कोलावाड़ा एवं चेचालगुर मे मंदिर में ऐतिहासिक वार्षिक मेला में शामिल होकर आप सभी के बीच आकर अभिभूत हूं। मेला में आयें सभी क्षेत्र की देवतुल्य जनमानस को बधाई एवं शुभकामनाएं । हमारे बस्तर में आयोजित मेला,मंडई,जात्रा का अपना विशेष महत्व होता है। जिसमें हमारी बस्तर की कला संस्कृति,परम्परा का समावेश होता है। साथ ही विधायक ने क्षेत्र की जनता से भेंट मुलाकात कर उनके समास्याओं से अवगत हुयें ।

हिंदू जागरण मंच ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जताया आभार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिंदू जागरण मंच राजनांदगांव ने पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधीश के मार्फत मुख्यमंत्री को आभार पत्र भेजा छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्र विधेयक 2026 पारित होने पर हिंदू जागरण मंच ने मुख्यमंत्री का आभार जताया।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को लेकर बनाए गए धर्म स्वतंत्र विधेयक 2026 के पारित होने पर हिंदू जागरण मंच, राजनांदगांव द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया गया। हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि यह विधेयक प्रदेश में अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है। संगठन के अनुसार, इस कानून से समाज में पारदर्शिता आएगी और किसी भी प्रकार के दबाव, लालच या प्रलोभन के माध्यम से किए जाने वाले धर्म परिवर्तन पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

इस अवसर पर मंच के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए यह निर्णय लिया है, जिससे समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत होगी।

हिंदू जागरण मंच के जिला एवं नगर पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि यह विधेयक सामाजिक समरसता को बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा तथा सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान की भावना को और सुदृढ़ करेगा।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए भविष्य में भी समाजहित में ऐसे निर्णय लेते रहने की अपेक्षा व्यक्त की। वहां उपस्थित हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता सुशील लड्डा, प्रवीण शर्मा, सविता बोस, जुगल गुप्ता, कमलेश्वरी साहू, हेमंत कश्यप, आशीष पांडे, भोला यादव, विष्णु सिन्हा, सत्यम जयसवाल, हरीश भानुशाली, अरुण रजक, नीलू साहू, ऋषभ मल, हेमलाल ढीमर, ज्योति खंडेलवाल, मोना गोसाई, पंपा सिन्हा, देवकुमारी साहू, मंजू रानी, संतोष तुरहते, मनोज गोलछा, संजय मिश्रा एवं हिंदू जागरण मंच के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक जिला एक उत्पाद: बालोद के आकाश ने अदरक की खेती से कमाया दोगुना मुनाफा

बालोद (समय दर्शन)। शासन की एक जिला एक उत्पाद योजना से धरातल पर किसानों की तकदीर बदलने लगी है। बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम बघमरा के एक युवा और प्रगतिशील किसान श्री आकाश चंद्राकर ने इस योजना का लाभ उठाकर खेती में सफलता की एक नई इबारत लिखी है। पारंपरिक फसलों को छोड़कर अदरक की खेती की ओर कदम बढ़ाना उनके लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हुआ है। श्री आकाश चंद्राकर ने शासन की योजना से प्रेरित होकर अपने खेत के लगभग ढाई एकड़ हिस्से में अदरक की फसल लगाई थी। बेहतर प्रबंधन और उन्नत कृषि पद्धतियों के कारण उन्हें न केवल शानदार उत्पादन प्राप्त हुआ, बल्कि बाजार में भी अच्छी मांग मिलने से उनकी आमदनी में जबरदस्त इजाफा हुआ है।

खेती की लागत को कम करने और किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन उद्यानिकी विभाग द्वारा आकाश को राज्य पोषित मसाला क्षेत्र विस्तार के तहत अदरक की खेती के लिए लगभग 49 हजार रुपये का अनुदान भी प्रदान किया गया। इस वित्तीय सहायता ने उन्हें आधुनिक खेती के संसाधनों को जुटाने और फसल की गुणवत्ता सुधारने में बड़ी मदद की। किसान श्री आकाश चंद्राकर ने बताया कि अदरक की खेती मेरे लिए समृद्धि का द्वार लेकर आई है। शासन से मिले 49 हजार के अनुदान ने मेरा हौसला बढ़ाया, जिससे आज मैं एक सफल फसल लेने में कामयाब रहा हूँ।

एक जिला एक उत्पाद के तहत अदरक का चयन होने से जिले के अन्य किसान भी अब इस नकदी फसल की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पारंपरिक फसलों की तुलना में अदरक से प्राप्त शुद्ध लाभ ने किसान की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। इसके लिए जिला प्रशासन बालोद एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा दी जा रही सब्सिडी और मार्गदर्शन से खेती अब घाटे का सौदा नहीं रही। अपने फसल के उत्पादन से उत्साहित आकाश चंद्राकर ने केंद्र और राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों की मुक्त कंठ से सराहना की है।

जल जीवन मिशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक संपन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रेमलता पद्माकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न ग्रामों में स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में 26 फरवरी 2026 के पश्चात प्राप्त आवंटन तथा निर्माण कार्यों के लिए किए गए भुगतान के अनुमोदन पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी स्वीकृत कार्यों का क्रियान्वयन पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु 364 स्रोत स्थिरता निर्माण कार्यों को मनरेगा के अभिसरण से कराने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे जल स्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित हो सके। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही निर्मित जल टंकियों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक विद्युत संयोजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने तथा डिमांड नोट का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पूर्ण हो चुके ग्रामों के हस्तांतरण, संचालन एवं संधारण (ह×रू) व्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। समूह जल प्रदाय योजनाओं में आ रही तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि वे मैदानी स्तर पर नियमित निरीक्षण कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान यह भी कहा गया कि जल जीवन मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक ग्राम तक स्वच्छ, सुरक्षित एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों को आपसी तालमेल एवं समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। बैठक में कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, विद्युत विभाग, जनसंपर्क विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं जिला समन्वयक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा एवं पुरस्कार वितरण समारोह

सुकमा (समय दर्शन)। पीएमश्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय, सुकमा-1 में सत्र 2026-27 के अंतर्गत वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा एवं पुरस्कार वितरण समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं सांस्कृतिक वातावरण के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकगण की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईएएस मुकुंद ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), जिला पंचायत कोंटा, सुकमा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के कोयर समूह द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति दी गई, जिसमें ट्विंकल, वैजयंती, नंदिनी, किंजल, स्वर्णलता, स्नेहा, देवी एवं अन्य छात्राओं ने सहभागिता की, जबकि आयुष, बिक्र, कृष, चरण, नवदीप, सौरभ एवं प्रतीक ने वाद्य संगत प्रदान कर वातावरण को अत्यंत मनमोहक बना दिया।

तत्पश्चात प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि का औपचारिक सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में मुख्य अतिथि मुकुंद ठाकुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन की संघर्षपूर्ण यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्होंने आत्मविश्वास, परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प के बल पर अपने आईएएस बनने के सपने को साकार किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी अद्वितीय और प्रतिभाशाली हैं, आप में अपार संभावनाएं हैं। भविष्य में आप ही देश का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों (सीसीए) के महत्व को भी रेखांकित करते हुए कहा कि ये गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इसके पश्चात समग्र रैंक धारकों की घोषणा एवं सम्मान किया गया। सत्र 2025-26 में विद्यालय के समग्र प्रथम स्थान पर मास्टर प्रियांशु प्रधान (91.17 प्रतिशत), द्वितीय स्थान पर माधवी अमन एवं सरीजा साहू (89 प्रतिशत) तथा तृतीय स्थान पर भूपाली नेताम (87.67 प्रतिशत) रहीं। विशेष उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सभी शीर्ष स्थान कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए गए।

कार्यक्रम के मध्य कक्षा 10वीं की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत जनजातीय नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं छात्रा महक चौरे द्वारा प्रस्तुत कविता शिक्षक ने भावनात्मक वातावरण का सृजन किया।

सुभाष शुक्ला एसडीएम कोंटा, सुमित धुर्वे जनपद पंचायत बमव कोंटा, पी श्रीनिवास बीईओ कोंटा ब्लॉक ने क्रमशः अपनी वाणी से सभी विद्यार्थियों को नई ऊर्जा प्रदान की और उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने पूरे कार्यक्रम में मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत की भूमिका निभाते हुए समस्त गतिविधियों का सफल समन्वय किया। परीक्षा शाखा प्रभारी श्रीमती सपना धीमन एवं कपिल कुरवे ने परिणाम घोषणा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण किया।

सीसीए प्रभारी डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा एवं सुश्री दीपिका सामरिया ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुचारु एवं आकर्षक बनाया।

इसके अतिरिक्त संजय कावड़ेय, अमन पंथी, भीष्म कुमार, अजय कुमार यादव, पंकज नागेश एवं सुश्री स्मिता मुर्मू सहित समस्त शिक्षकगण ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री स्मिता मुर्मू द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया।

समापन अवसर पर प्राचार्य डा. संजय कुमार मंडल ने अपने संदेश में कहा कि नवोदय के विद्यार्थी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। यदि वे अनुशासन, परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहें, तो वे निश्चित रूप से जीवन में सफलता प्राप्त कर देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे। प्रेरणादायक संदेश के साथ-साथ कार्यक्रम के अंतर्गत पालकों निज स्वेच्छा और विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रदान किए गए टीवी के लिए विद्यार्थियों में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई।

कलेटर जनदर्शन में 110 आवेदन प्राप्त, सुनी लोगों की समस्याएं

मौके पर ही पूर्णिमा सोनवानी का नाम जॉब कार्ड में जोड़ा गया

महासमुन्द (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के जनसामान्य की समस्याएं सुनी। कलेक्टर श्री लंगेह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने कहा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित आवेदन प्रदान कर शीघ्र निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। जनदर्शन में कुल 110 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में बिरकोनी महासमुंद निवासी पूर्णिमा सोनवानी ने मनरेगा जॉब कार्ड में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया। जिसका त्वरित निराकरण जनदर्शन में ही हुआ, इसके लिए उन्होंने कलेक्टर श्री लंगेह का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसके अलावा तुमगांव निवासी प्रदीप सिंह ठाकुर ने वन अधिकार पट्टा दिलाने हेतु, बागबाहरा निवासी कुलेश्वरी शुक्ला ने महतारी वंदन का लाभ दिलाने, खल्लारी निवासी परमानंद साहू ने श्रम कार्ड बनाने हेतु, ग्राम नवागढ़ सरायपाली निवासी प्रहलाद पटेल ने अपने किडनी रोग हेतु मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना अंतर्गत इलाज हेतु आवेदन किया। इसी तरह ग्राम केशवा निवासी संतोषी साहू ने राशन कार्ड संबंधी त्रुटि हेतु, ग्राम भोरिंग निवासी परमेश्वरी साहू ने दीनदयाल भूमिहीन मजदूर योजना की राशि दिलाने हेतु, खल्लारी निवासी दुर्गेश साहू ने नल जल मित्र कार्यक्रम में प्रशिक्षण करने हेतु, ग्राम जुनवानी निवासी दीपक साहू ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण की राशि भुगतान हेतु आवेदन किए। इसके अलावा दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना, पीएम आवास, अवैध अतिक्रमण, सीमांकन, लम्बित राशि भुगतान संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

उर्वरक की जप्ती एवं करवाई की गयी कृषि विभाग के द्वारा

जांजगीर (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार श्री राकेश कुमार शर्मा उप संचालक कृषि के मार्गदर्शन में विकासखण्ड स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा मेसर्स राजेश ट्रेडर्स नवागढ़ के प्रतिष्ठान में औचक निरीक्षण करते हुए 500 बोरी सिंगल सुपर फॉस्फेट बिना क्कह्रस् मशीन के इंद्राज के पाये जाने पर जप्ती की कारवाई करते हुए विक्रय पर प्रतिबंधित किया गया। इसी प्रकार विकासखण्ड नवागढ़ में मेसर्स रेखा ट्रेडर्स नवागढ़, मेसर्स गिरिजा प्रसाद केशरवानी नवागढ़, मेसर्स रूपेश ट्रेडर्स नवागढ एवं मेसर्स लाखन केशरवानी नवागढ़ के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के अनियिमतता पाये जाने पर कारण बताओं नोटिस संबंधितों को जारी किया गया।

विकासखण्ड अकलतरा के निरीक्षक द्वारा सेवा सहकारी समिति तिलई एवं सेवा सहकारी समिति तरौद में निरीक्षण के दौरान क्कह्रस् मशीन एवं भौतिक स्टॉक मिलान में सही पाया गया। इसी प्रकार मेसर्स कर्ष कृषि केन्द्र नरियरा एवं मेसर्स साहू ट्रेडर्स तागा में विभिन्न प्रकार के अनिमियता पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। विकासखण्ड पामगढ़ के निरीक्षक द्वारा सेवा सहकारी समिति पकरिया का क्कह्रस् मशीन एवं भौतिक स्टॉक मिलान नही होने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। विकासखण्ड बलौदा के निरीक्षक द्वारा मेसर्स माधो प्रसाद गुप्ता जर्वे (ब) में क्कह्रस् मशीन एवं भौतिक स्टॉक मिलान में सही पाया गया। इसी प्रकार मेसर्स परमात्मा कृषि केन्द्र बलौदा का क्कह्रस् मशीन एवं भौतिक स्टॉक मिलान नही होने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। मेसर्स कृष्ण कुमार तंबोली के प्रतिष्ठान में विभिन्न प्रकार के अनिमियता पाये जाने पर कारण बताओ जारी किया गया।

समय-सीमा की बैठक में लंबित प्रकरणों की समीक्षा, योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में शासकीय कार्यों की गति को तेज करने एवं आमजन को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रेमलता पद्माकर द्वारा जिला कार्यालय के दिशा सभाकक्ष में अधिकारियों की समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों एवं विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी लंबित आवेदनों, फाइलों एवं प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण किया जाए। लंबे समय से लंबित मामलों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा गया कि अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों की प्रगति पर नजर रखें और प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

जन चौपाल, जनदर्शन एवं ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतों के निराकरण में गंभीरता बरतें तथा ऐसा समाधान सुनिश्चित करें जिससे आम जनता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके साथ ही शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि शासन के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

बैठक के दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को वार्षिक एवं मासिक लक्ष्यों का निर्धारण कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। जिन विभागों की प्रगति अपेक्षित नहीं पाई गई, उन्हें कार्यप्रणाली में सुधार लाने एवं मैदानी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की सख्त हिदायत दी गई। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कृषि, ग्रामीण विकास एवं अन्य प्रमुख विभागों को निर्देशित किया गया कि वे योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें।

विकास कार्यों में गति लाने हेतु अंतर-विभागीय समन्वय पर भी विशेष जोर दिया गया। विभिन्न विभागों को आपसी तालमेल बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए, ताकि तकनीकी या प्रशासनिक कारणों से कोई भी कार्य बाधित न हो। निर्माण कार्यों, अधोसंरचना विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वित प्रयास आवश्यक बताए गए।

बैठक के अंत में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि अगली समय-सीमा बैठक तक लंबित प्रकरणों की संख्या न्यूनतम स्तर पर लाई जाए। कार्य में लापरवाही अथवा कोताही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के संकेत भी दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मिट्टी के घर से सपनों के आशियाने तक-मेहनत से बदली घर की तस्वीर

मिट्टी के घर से सपनों के आशियाने तक-मेहनत से बदली घर की तस्वीर

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीबों को पक्के घर प्रदान करना है। इस योजना के तहत शहरी और ग्रामीण आवासहीन नगारिकों को आवास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग ,निम्न आय समूह और मध्यम आय समूह के लोग जिनके पास अपना पक्का घर नहीं है, उन्हे सुरक्षित घर सुनिश्चित करना है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं आज सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से ग्राम्य जीवन में एक नई रोशनी आई है। इसी बदलाव की जीवंत मिसाल हैं कोरिया जिला के ग्राम पंचायत बोड़ार के पारसलाल, जिनकी मेहनत और सकारात्मक सोच ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव की दिशा बदल दी है।

पारसलाल ने बदली सोच, बदला माहौल- ग्राम पंचायत बोड़ार निवासी पारसलाल ने योजना का लाभ लेकर अपने पक्के घर का निर्माण समय पर पूरा किया। लेकिन उनकी कहानी यहीं नहीं रुकी, उन्होंने अपने अनुभव को गांव के अन्य लोगों तक पहुंचाया और उन्हें भी अपने घर बनाने के लिए प्रेरित किया। आज वे पूरे गांव में एक सकारात्मक बदलाव के सूत्रधार बन चुके हैं।

तेजी से बदली गांव की तस्वीर-

सोनहत जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले इस गांव में वर्ष 2024-25 के दौरान अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला। पहले जहां योजनाओं के प्रति जागरूकता और उत्साह कम था, वहीं अब पारसलाल की प्रेरणा से लोग तेजी से पक्के आवास बना रहे हैं और अपने जीवन को बेहतर बना रहे हैं।

खुशहाली का नया आशियाना- पक्के मकानों ने न केवल सुरक्षा और सुविधा दी है, बल्कि परिवारों के जीवन में सम्मान और स्थिरता भी लाई है। अब महिलाएं और बच्चे सुरक्षित माहौल में रह रहे हैं और मौसम की मार से भी राहत मिली है। हर घर में अब एक नई उम्मीद और खुशहाली दिखाई देती है। पारसलाल आज इस बात का उदाहरण हैं कि यदि व्यक्ति ठान ले, तो सरकारी योजनाओं का सही उपयोग कर न सिर्फ अपनी जिंदगी, बल्कि पूरे समाज को बदल सकता है।

उत्तर प्रदेश पुरुष वर्ग का और राजस्थान महिला वर्ग का खिताब पर कब्जा

रायपुर। महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल मैदान में आयोजित 5वीं अखिल भारतीय वॉलीबॉल स्पर्धा 2026 का समापन आज शानदार और रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। तीन दिनों तक चले इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने अपने उत्कृष्ट खेल, अनुशासन और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए पुरुष एवं महिला वर्ग के फाइनल मुकाबलों में उत्तर प्रदेश और राजस्थान की टीमों ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

महिला वर्ग में राजस्थान बनी विजेता- महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में राजस्थान की टीम ने रायपुर को लगातार तीन सेटों में 3-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। राजस्थान की महिला खिलाड़ियों ने पूरे मैच में शानदार तालमेल, मजबूत डिफेंस और प्रभावशाली आक्रमण का परिचय दिया। मुकाबले में राजस्थान ने पहले सेट को 25-09, दूसरे सेट को 25-15 और तीसरे सेट को 25-07 से जीतते हुए एकतरफा अंदाज में मैच अपने नाम किया। राजस्थान की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग की विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं रायपुर की टीम उपविजेता रही।

पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश ने जीता खिताब- पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल क्लब (HNVC), रायपुर को 2-0 से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। उत्तर प्रदेश की टीम ने फाइनल मुकाबले में अपने अनुभव, बेहतर समन्वय और आक्रामक खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 25-12 तथा दूसरा सेट 25-19 से जीत लिया। मेजबान टीम हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल क्लब, रायपुर ने भी संघर्षपूर्ण खेल दिखाया, लेकिन उत्तर प्रदेश की मजबूत टीम के सामने उसे उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतर दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- आज आयोजित फाइनल मुकाबलों एवं समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पुरंदर मिश्रा, विधायक उपस्थित रहे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में श्री मनोज वर्मा एवं श्री रवि सोनकर, पार्षद द्वय ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया, उनके प्रदर्शन की सराहना की तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल संघ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के खेल आयोजन न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं,

करियर पावर अड्डा 24/7 ने अपने पहले ही वर्ष में रचा कीर्तिमान

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। 'करियर पावर अड्डा 24/7' संस्थान ने अपने संचालन के मात्र पहले ही वर्ष में अभूतपूर्व सफलता अर्जित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह संस्थान पिछले एक वर्ष से राजधानी में बैंक (Banking), एसएससी (स्स्ट) और रेलवे (Railway) जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक भरोसेमंद केंद्र के रूप में उभरा है।

संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुलभता है। जहाँ आज के दौर में प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग अत्यंत खर्चीली होती जा रही है, वहीं करियर पावर अड्डा 24/7 न्यूनतम फीस और सीमित शुल्क संरचना के साथ प्रतिभागियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। कम लागत में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिलने के कारण आर्थिक रूप से सामान्य पृष्ठभूमि के छात्र भी अब केंद्रीय सेवा परीक्षाओं की तैयारी पूरे

आत्मविश्वास के साथ कर पा रहे हैं।

संस्थान के शैक्षणिक माहौल और कड़ी मेहनत का परिणाम अब सफलताओं के रूप में सामने आने लगा है। अपने शुरुआती वर्ष में ही संस्थान ने दो गौरवशाली चयन (Selections) देकर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध कर दी है। इन सफल उम्मीदवारों में यश अग्रवाल और नीरज गुप्ता के नाम शामिल हैं। यश अग्रवाल ने देश के सबसे प्रतिष्ठित बैंकिंग संस्थान 'भारतीय स्टेट बैंक' (SBI) में क्लर्क के पद पर सफलता प्राप्त की है। वहीं, दूसरी ओर नीरज गुप्ता ने 'आरआरबी पीओ' (RRB PO) की कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण कर फाइनल सिलेक्शन हासिल किया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर डॉ. राजेश्वर वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि प्रतिभागियों को वर्तमान परीक्षा प्रणाली की बारीकियों और बदलते स्वरूप के अनुसार ढालना है। डॉ. वर्मा के अनुसार, प्रतिभागियों को परीक्षा के सटीक पैटर्न को समझाना और उन्हें मानसिक रूप से तैयार करना ही हमारा अंतिम लक्ष्य है।

संस्थान की इस सफलता के पीछे अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और एक व्यवस्थित कार्ययोजना है। यहाँ के शिक्षक जटिल विषयों को सरल बनाकर समझाने में माहिर हैं। डॉ. वर्मा ने आगे जोर देते हुए कहा कि नियमित 'मॉक टेस्ट' (Mock Test) ही किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता का मूल मंत्र है। संस्थान में छात्रों के अभ्यास के लिए निरंतर मूल्यांकन की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें अपनी कमियों को सुधारने का पर्याप्त समय मिलता है। रायपुर के युवाओं के बीच यह संस्थान अब सफलता के पर्याय के रूप में देखा जा रहा है।

सद्भाव फ्यूचरटेक ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए सेबी के पास दाखिल किए ड्राफ्ट दस्तावेज

रायपुर। सोलर पावर प्रोजेक्ट्स के ईपीसी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी सद्भाव फ्यूचरटेक लिमिटेड ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। डीआरएचपी के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ में 2.55 करोड़ इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और 235 करोड़ रुपये तक के शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के तहत प्रमोटर सैकत रॉय, भूपेंद्र सिंह, बेटरआइकॉन कंसल्टेंसी, नीलम जैन तथा कुछ अन्य व्यक्ति और संस्थाएं अपने शेयर बेचेंगी। फ्रेश इश्यू से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी अपने वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

साल 2020 में स्थापित सद्भाव फ्यूचरटेक सोलर पावर प्रोजेक्ट्स के इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) क्षेत्र में कार्य करती है। कंपनी मुख्य रूप से सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम, रूफटॉप सोलर सिस्टम और ग्राउंड माउंटेड सोलर सिस्टम से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम करती है।

कंपनी की कुल स्थापित क्षमता 171.68 मेगावाट है, जिसमें 171.53 मेगावाट सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम और 0.15 मेगावाट रूफटॉप सोलर सिस्टम शामिल है। डीआरएचपी दाखिल करने की तिथि तक कंपनी के पास एक ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट (अनुबंध) है और 120 मेगावाट के ग्राउंड माउंटेड सोलर सिस्टम की स्थापना के लिए दो लेटर ऑफ इंटेंट (आशय पत्र) प्राप्त हुए हैं। समय के साथ कंपनी ने महाराष्ट्र, असम, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में अपनी भौगोलिक मौजूदगी का विस्तार किया है। 28 फरवरी 2026 तक कंपनी का कुल ऑर्डर बुक 2016 करोड़ रुपये का था, जिसमें से 30 सितंबर 2025 तक 585.88 करोड़ रुपये का राजस्व (रेवेन्यू) बुक किया जा चुका था। ऑर्डर बुक में 19 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं, जिनकी एक्जीक्यूशन टाइमलाइन (निष्पादन अवधि) 3 से 18 महीने के बीच है।

डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि हमने सामाजिक स्तर पर भी इसकी मांग की थी

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 के पारित होने पर आभार एवं समर्थन- डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर

रायपुर। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य विधेयक 2026 के पारित होने पर आभार एवं समर्थन करते हुए प्रेस क्लब रायपुर के पत्रकार वार्ता में चर्चा करते हुए डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि हमारा समाज सदैव से भारतीय संस्कृति परंपराओं और सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। छत्तीसगढ़ की पहचान उनकी विविधता, परंपराओं और सामाजिक जीवन- शैली से जुड़ी हुई है, जहां आस्था केवल व्यक्तिगत विषय नहीं बल्कि सामाजिक संरचना का अभिन्न अंग होती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे प्रकरण सामने आए हैं जहां धर्मांतरण से जुड़े विवादों ने सामाजिक तनाव और विभाजन की स्थिति उत्पन्न की है अनेक मामलों में यह चिंता व्यक्त की गई कि आस्था परिवर्तन स्वैक्षिक न होकर प्रलोभन, दबाव या अनुचित प्रभाव के माध्यम से किया गया, जिसमें समाज के भीतर संतुलन और सांस्कृतिक विघटन की स्थिति बनी। ऐसी परिस्थितियों में यह आवश्यक था कि धर्म परिवर्तन से जुड़े

विषयों को स्पष्ट विधिक ढांचे में लाया जाए, ताकि वास्तविक धार्मिक स्वातंत्रता सुरक्षित रह सके और उसके दुरुपयोग की संभावनाओं को रोका जा सके।

अब जब हमारे सामने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य विधेयक 2026, आया है, तब यही कहा जा सकता है कि इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण पहल है, जो धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया को पारदर्शी और उत्तरदाई बनाता है। इसमें बल, प्रलोभन या अनुचित प्रभाव के माध्यम से किए गए धर्मांतरण को अवैध मानते हुए दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं, जो समाज के कमजोर वर्गों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक है। हमारा यह मानना है कि यह विधेयक किसी भी धर्म या आस्था के विरोध में नहीं है बल्कि यह सुनिश्चित करता है की आस्था का चयन पूर्णतः स्वतंत्र, स्वैच्छिक और निष्पक्ष हो।

यही कहना है कि हमारा समाज इस विधेयक के पारित होने का न सिर्फ समर्थन करता है बल्कि यह भी आशा करता है कि इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक संतुलन और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ किया जा सकेगा। अंत में हम सभी नागरिकों से भी यह अपेक्षा करते हैं कि वे समाज में आपसी सम्मान, संवाद और शांति बनाए रखते हुए इस अधिनियम की भावना के अनुरूप कार्य करेंगे। प्रेस वार्ता में डॉ.पुरुषोत्तम चंद्राकर, मा. खोड्स राम कश्यप, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज, महामंत्री यशवंत सिंह वर्मा, तिरेला कुर्मी समाज के अध्यक्ष ललित कांकडे, सुनील नायक उपस्थित रहे। डॉ.पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि पिछले कई दशकों से हमारा समाज छत्तीसगढ़ की सामाजिक संरचना, परंपराओं और सामाजिक जीवन के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा रहा है। हमारे बुजुर्गों ने जिस सामाजिक संतुलन और सांस्कृतिक निरंतरता को सहेज कर रखा, वह केवल परंपरा का विषय नहीं बल्कि समाज की स्थिरता का आधार रहा है।

इसी अनुभव के आधार पर हम यह कहना आवश्यक समझते हैं कि धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं रहा है। विशेष कर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में, जहां जीवन सामाजिक आधार पर संचालित होता है, वहां किसी एक व्यक्ति की आस्था में परिवर्तन कई बार पूरे सामाजिक ढांचे में दरार पैदा करता है। हमारे समाज के अनेक क्षेत्रों में यह अनुभव सामने आया है कि जब धर्मांतरण स्वाभाविक संवाद और व्यक्तिगत विचार का परिणाम न होकर प्रलोभन, सामाजिक दबाव या परिस्थितियों के प्रभाव में होता है, तब यह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं रहता, बल्कि वह परिवारों के भीतर विभाजन और सामाजों और समाजों के बीच अविश्वास को जन्म देता है। ऐसी स्थितियों में लंबे समय से एक स्पष्ट और प्रभावी विधिक व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। पूर्व में जो कानून अस्तित्व में था, वह वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त नहीं रह गया था। कई बार शिकायत होने के बावजूद उनके समाधान के लिए स्पष्ट प्रक्रिया का अभाव दिखाई देता था, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती थी।

संक्षिप्त समाचार

ग्रीष्मकालीन तिलहन खेती से समृद्धि की ओर अग्रसर किसान

रायपुर। महासमुंद जिले के विकासखंड सरायपाली अंतर्गत ग्राम सिरशोभा के प्रगतिशील किसान श्री गौतम पटेल ने पारंपरिक धान खेती के स्थान पर ग्रीष्मकालीन सूर्यमुखी अपनाकर समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। कृषि विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है। श्री पटेल ने बताया कि पूर्व में वे धान की खेती करते थे, जिसमें अधिक जल एवं लागत की आवश्यकता होती थी। बीते वर्ष जल की कमी के कारण फसल प्रभावित होने से उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ी। इसके पश्चात कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने इस वर्ष लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्र में सूर्यमुखी की खेती की है। सूर्यमुखी फसल में कम पानी एवं कम लागत की आवश्यकता होती है, जिससे यह किसानों के लिए लाभकारी विकल्प सिद्ध हो रही है। वर्तमान में फसल की स्थिति संतोषजनक है तथा प्रति एकड़ 8 से 10 क्विंटल उत्पादन का अनुमान है। कुल उत्पादन 12 से 15 क्विंटल होने की संभावना है। बाजार मूल्य 4500 से 5500 रुपए प्रति क्विंटल के अनुसार लगभग 54 हजार से 82 हजार 500 रुपए की आय संभावित है, जिसमें 40 से 65 हजार रुपए तक शुद्ध लाभ प्राप्त होने का अनुमान है। गौरतलब है कि कृषि विभाग द्वारा उन्नत बीज, तकनीकी परामर्श एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराए जाने से किसान नवीन खेती पद्धति को सफलतापूर्वक अपना रहे हैं।

आई-गॉट में सभी विभागों को ऑन-बोर्ड होना जरूरी: मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने राज्य शासन के सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों से कहा है कि वे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई-गॉट ट्रेनिंग कार्यक्रम से अपने विभाग को अनिवार्य रूप से ऑन-बोर्ड कर लें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ऑन-बोर्ड हो जाये मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को भी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होने को कहा है। राज्य शासन के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी आवश्यकता अनुसार विभागीय स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षित किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे अपने-अपने विभाग की आवश्यकता अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स तय कर लें, जिससे उन्हे प्रशिक्षित किया जा सके। आज आई-गॉट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत साधना सप्ताह के मौके पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को कर्मयोगी मिशन के तहत प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य शासन के विभागों के प्रमुख अधिकारी सहित विभागीय सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव, अनुभाग अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी जिलों के प्रमुख अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए।

कार्यशाला के प्रारंभ में बताया गया की कर्मचारियों को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म आई-गॉट और ई-एच.आर.एम.एस. से जुड़ते हुए उनकी क्षमता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि 'आई-गॉट' प्लेटफॉर्म पर ए.आई का उपयोग बढ़ रहा है और यह कर्मचारियों को स्मार्ट एवं प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने शत् प्रतिशत ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने पर जोर दिया। कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों को यह भी अवगत कराया गया कि प्रशिक्षण केवल कौशल विकास तक ही नहीं, बल्कि जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे प्रत्येक कर्मचारी अपने विभाग की योजनाओं और कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।

'हर घर जल' से बदली जोगीमारा की तस्वीर, हर घर तक पहुंचा स्वच्छ पेयजल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के प्रयास लगातार जारी हैं। इसी क्रम में जशपुर जिले का ग्राम जोगीमारा अब ÷हर घर जल की सुविधा से पूरी तरह लाभान्वित होकर विकास की नई मिसाल बन गया है। जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित यह गांव भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में आता है, जहां का एक बड़ा हिस्सा पहाड़ी इलाके में बसा है। पूर्व में यहां के ग्रामीणों को पेयजल के लिए नाला और कुएं जैसे पारंपरिक स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर महिलाओं को पहाड़ी ढलानों से नीचे उतरकर दूर-दूर से पानी लाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की भारी खपत होती थी।

जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद गांव में संगठित जल आपूर्ति प्रणाली स्थापित की गई है। 10 केएल क्षमता के उच्च स्तरीय जलागार (ओवरहेड टैंक) के माध्यम से पूरे गांव में पाइपलाइन बिछाकर 56 क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग जशपुर जिला-जशपुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

आदेश क्र 448व.ले.लि./2026-27/जशपुर दिनांक 01.04.2026

इस संभागीय कार्यालय के निविदा सूचना क. 11/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 05.02.2026 (प्रथम आंमत्रण) निविदा सिस्टम क्रमांक 185130 (जी- 252606518) द्वारा डोड़की व्यपवर्तन योजना का जीर्णोद्वार एवं मरम्मत कार्य राशि रू. 1159.19 लाख हेतु निविदा का प्रकाशन किया गया था जिसमें तकनीकी प्रावधान छुटने के कारण निविदा निरस्त किया जाता है।

सहपत्र:- शून्य।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
कृते-मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग अंबिकापुर (छ.ग.)

G-262700059/3

संपादकीय

श्रमिक हितों का ख्याल

इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों का मामला राजनीतिक दायरे में आता है, जिस बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है। किन गतिविधियों को उद्योग माना जाए, यह तय करने की जिम्मेदारी फिर सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाथ में ली है। मगर केंद्र ने उससे सहमत नहीं है। 1978 में उद्योग की परिभाषा सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने तय की थी। अब उस पर पुनर्विचार करने के लिए कोर्ट ने नौ जजों की बेंच बनाई है। उसके सामने अपना पक्ष रखते हुए केंद्र ने कहा कि कोर्ट को इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। केंद्र चाहता है कि सरकारी एवं समाज कल्याण से जुड़े कार्यों को औद्योगिक गतिविधि ना माना जाए। यह तर्क मंजूर होने का मतलब होगा कि इन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मी श्रम कानूनों/ संहिताओं के तहत मिले अधिकार/ लाभ से वंचित हो जाएंगे। जाहिर है, इस प्रकरण का संबंध श्रमिकों से भी है। इसलिए इस मामले में उनका पक्ष भी महत्त्वपूर्ण होगा। इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों से संबंधित पहलू राजनीतिक दायरे का हिस्सा हैं, जिनके बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है। इसीलिए 1978 बैंगलोर जल आपूर्ति विभाग से जुड़े मामले में निर्णय तक पहुंचने के लिए सुप्रीम कोर्ट को संविधान पीठ का गठन करना पड़ा था। 2005 में उत्तर प्रदेश सरकार बनाम जयवीर सिंह मामले में ये विवाद फिर उठा, जो अब तक लंबित है। उसी सिलसिले में अब कोर्ट नौ जजों की बेंच बनाई गई है। 1978 में कोर्ट ने कहा था कि कोई संगठन उद्योग की श्रेणी में आता है या नहीं, यह तय करने की कसौटी यह नहीं हो सकती कि मुनाफा कमाना उसका मकसद है या नहीं। इसके लिए कोर्ट ने तीन पैमाने तय किए: व्यवस्थित गतिविधि, प्रबंधन एवं श्रमिकों के बीच सहयोग, और वस्तु एवं सेवाओं का उत्पादन अथवा वितरण। इस तरह चैरिटी, सामाजिक कार्य एवं कल्याण कार्यों से जुड़े संगठन भी उद्योग के दायरे में आ गए। ये फैसला उस दौर में आया, जब वैचारिक दायरे में श्रमिकों के हित सर्वोपरि माने जाते थे। आज माहौल बदल चुका है। फिर भी श्रमिक हितों का ख्याल किया जाना चाहिए।

स्थापना दिवस आत्मावलोकन करने का दिन

सुनील दास

किसी दिन राजनीतिक दल की स्थापना होती है। इसी दिन से राजनीतिक दल का सफर शुरू होता है। सभी राजनीतिक दलों का लक्ष्य सत्ता प्राप्त करना होता है। सभी मानते हैं कि जनता व देश की सेवा सत्ता के जरिए अच्छे से की जा सकती है। सत्ता हो तो जनता और देश को एहसास दिलाना आसान होता है कि देखों आपके लिए हम क्या कुछ कर रहे हैं।स्थापना दिवस पर भाजपा तरह तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। खुशी मनाई जाती है,पार्टी ने एक साल में और क्या क्या कार्य किए हैं। जनता को बताया जाता है भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो कहती है,वह करती है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा अपना 47 वां स्थापना दिवस 6 अप्रैल को मनाया। भाजपा हर साल स्थापना दिवस पर सेवा सप्ताह मनाती है। इस दौरान जनता की सेवा का काम किया जाता है और सगंठन को मजबूत करने का प्रयास किया जाता है।मजबूत संगठन ही गांव गांव तक जाकर सेवा कर सकता है और जनता के बीच अपनी सेवक की छबि बना सकता है। यह अच्छी बात है कि इससे नेता हो या कार्यकर्ता उसे एहसास दिलाया जाता है कि वह पार्टी का सदस्य होने के नाते जनता का सेवक है। जब शीर्ष नेता पीएम पद पर रहकर खुद को जनता का प्रधान सेवक कहता है तो राज्य व गांव के भाजपा कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस पर यह बात याद रखनी चाहिए कि पार्टी के सत्ता मिली है जनता की सेवा के लिए।जिस दिन वह खुद को जनता का सेवक मानने की जगह जनता पर शासन करने वाले मानने लगेगा उसी दिन से पार्टी का पतन होना शुरू हो जाता है.

भाजपा में नेताओं व कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाया जाता है उनको प्रशिक्षण दिया जाता है कि सत्ता मिली है तो उनका व्यवहार जनता के बीच कैसा रहना चाहिए। जनता के बीच उनको विनम्र रहना चाहिए यह जताने या दिखाने का प्रयास नहीं करना चाहिए कि मेरी पार्टी सत्ता में है तो मैं मनमानी कर सकता हूं. मैं कानून से ऊपर हो गया हैं। ऐसा कई बार भाजपा के नेता व कार्यकर्ता भी करते हैं, इसलिए स्थापना दिवस पर उनको शपथ दिलानी चाहिए कि पार्टी के सत्ता होने का अहंकार पार्टी के लिए ठीक नहीं होता है, जनता के बीच संदेश जाता है कि सत्ता मिलने ने नेताओं व कार्यकर्ताओं को अहंकार हो गया है। वह खुद को खास समझने लगे हैं ऐसे में जनता चुनाव में पार्टी को हराकर बता देती है कि उसके लिए कोई खास नहीं है,सब सेवक हैं,जो सेवक बना रहेगा उसे ही जनता चुनेगी।

भाजपा स्थापना दिवस पर भाजपा को सीखने के लिए किसी दूसरे नेता का जरूरत नहीं है। उसके दो नेता पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ऐसे नेता हैं जो किसी भी राजनीतिक दल के पास नहीं है।पार्टी व देश के लिए कैसे काम किया जाता है,दोनों नेताओं ने अपने दस साल में भाजपा नेताओं को भी सिखाया है और दूसरे नेताओं को बताया है। पीएम मोदी व शाह ने जो काम हाथ में लिया, उसे पूरा करके दिखाया है।हर भाजपा नेता को मोदी व शाह से सीखना चाहिए कि कोई काम करना है तो कैसे करना है।पार्टी को मजबूत करना है तो कैसे करना है चुनाव जिताना है तो कैसे जिताना है। तीन बार पीएम बनना है तो कैसे बनना है।देश का विश्व में सम्मान बढ़ाना है तो कैसे बढ़ाना है।

भाजपा को स्थापना दिवस पर यह बात याद रखनी चाहिए कि कोई भी पद मिलता है तो वह धन संपत्ति के मोह से मुक्त रहे। पीएम मोदी धन के मोह से मुक्त है, इसलिए वह देश व पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी से काम करते हैं, जनता में इसीलिये लोकप्रिय है कि वह सेवक की तरह जनता का काम करते हैं, और सभी नेताओं से ज्यादा ईमानदार है। बड़े नेता को सबसे ज्यादा ईमानदार होना चाहिए। पीएम मोदी ऐसे नेता हैं जिनके समय में पार्टी अमीर हुई है लेकिन पीएम मोदी को यह पसंद नहीं है कि पार्टी के नेता अमीर हो। इसी वजह से भाजपा कांग्रेस से अलग है, कांग्रेस में पार्टी गरीब है और उसके नेता अमीर हैं।

अफसरों के नाकारापन से नहीं थमेंगे नालंदा मंदिर जैसे हादसे

योगेंद्र योगी

सरकारी मशीनरी के नाकारा होने के कारण देश में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ जैसे हादसे रुक नहीं रहे हैं। हादसों ऐसी श्रृंखला में नालंदा मंदिर का हादसा भी जुड़ गया है। नालंदा के शीतला माता मंदिर में पूजा करने के दौरान भगदड़ मच गई और इसमें 9 लोगों की जान चली गई। आठ महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कई देशों के छात्रों को डिग्री व मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान दिया गया। राष्ट्रपति की यात्रा की सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। यह हालत है देश में जिम्मेदार मानी जाने वाली चुनी हुई सरकारों की। अधिकारी इस बात का आकलन ही नहीं कर सके कि इतने बड़े आयोजन में कोई हादसा भी हो सकता है। इसी भारी चूक की वजह से मंदिर स्थल पर पुलिस सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया। सारी फोर्स राष्ट्रपति की सुरक्षा के इंतजाम में लगा दी गई।

कुंभ मेले, मंदिर दर्शन, सत्संग, त्योहार और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने की होड़ जैसी घटनाएं न केवल आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि प्रबंधन की कमी के कारण अक्सर जानलेवा साबित होती रही है।

साल-दर-साल मची भगदड़ में सैकड़ों निर्दोष जिंदगियां चली जाती हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। ये हादसे मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं की चूक, अपवाहें, संकरी जगहों पर अत्यधिक भीड़ और प्रशासन की लापरवाही के कारण होती हैं। देश के सरकारी तंत्र ने विगत वर्षों में हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं सीखा। यही वजह ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति थम नहीीं रही है। विगत एक दशक में ऐसा शायद ही कोई साल गया होगा, जब भगदड़ में मौतों की दर्दनाक घटनाएं सामने नहीं आई होंगी।

3 मई 2025 को गोवा के श्री लैरे देवी मंदिर के वार्षिक मेले में पूजा-अर्चना के दौरान भगदड़ मची। इसमें छह श्रद्धालुओं की मौत हुई और लगभग 55 लोग घायल हुए। 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज कुंभ में शामिल होने के लिए ट्रेन पकड़ने की होड़ के चलते मची भगदड़ में 18 यात्रियों की जान गई। 9 जनवरी 2025 को प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र में भगदड़ 30 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 60 लोग घायल हुए। इसी तरह 8 जनवरी 2025 आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में छह श्रद्धालुओं की मौत हुई।

इसी तरह 2 जुलाई 2024 उत्तर प्रदेश के हाथरस में संत भोले बाबा (नारायण साकार हरि) की सत्संग के बाद भगदड़ मची। इस घटना में कुल 121 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। यह हादसा सुरक्षा प्रबंधों की कमी के चलते हुआ। 31 मार्च 2023 मध्यप्रदेश के इंदौर में रामनवमी पर ढाई तालाब की बावड़ी की छत गिरने के दौरान भगदड़ मच गई। इस हादसे में 36 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हुए। भीड़-नियंत्रण में चूक यहां भी जानलेवा साबित हुई। इन हादसों के अलावा विगत वर्षों में कटरा जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर, महाराष्ट्र के मंधर देवी, नासिक में कुंभ स्नान, आंध्र प्रदेश के राजामुंद्री, बिहार के पटना में गांधी मैदान, मध्य प्रदेश के दतिया में पुल पर अफवाह फैलने, हरिद्वार में हर-की-पौड़ी घाट पर आयोजित गायत्री महायज्ञ आयोजन, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़, जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में हिमाचल के नैना देवी में भगदड़ के दौरान सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। नालंदा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद अन्य हादसों की तरह वही जांच कमेटी बना दी गई। बिहार सरकार की तरफ से मृतकों के परिजनों को सांत्वना राशि की घोषणा कर दी गई। राजनीतिक दलों के नेताओं की तरफ से औपचारिकता निभानते हुए घड़ियाली आसूं बहाए गए। किन्तु एक भी जिम्मेदार अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अन्य हादसों की तरह इस हादसे में भी एक भी अफसर को जेल नहीं होगी। किसी का भी बांल बांका नहीं होगा, होगा भी तो सिर्फ दिखावे के लिए छोटे कर्मचारी अधिकारियों पर गाज घटना की गाज गिर सकती है। देश में परंपरा रही है कि बड़े अफसर हर बार बच निकलते हैं। इस लिहाज से बिहार की इस घटना इससे अलग नहीं है। सरकारों ने ना पहले हुए ऐसे हादसों से कोई सबक सीखा था ना ही बिहार हादसे से सीखेंगे। ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति देश में जारी रहेगी। ऐसे हादसों में सरकारी कुप्रबंधन की वजह से आम लोगों की मौत होती रहेगी और सरकारें तमाशबीन बनी रहेंगी।

अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरुरत थी?

अजीत द्विवेदी

विपक्षी नेताओं की ओर से कहा जा रहा है कि अविश्वास प्रस्ताव लाने का उनका मकसद पूरा हो गया। वे देश को बताना चाहते थे कि स्पीकर ओम बिरला पक्षपात करते हैं और नेता विपक्ष राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जाता है। दूसरे विपक्षी सांसदों को भी बोलने से रोका जाता है और उनके माइक बंद कर दिए जाते हैं। लेकिन इसमें से कौन सी ऐसी बात है, जो विपक्ष के सांसद हमेशा नहीं कहते रहते हैं? जब भी सत्र चलता हा या नहीं भी चल रहा होता है तो जहां मौका मिलता है वहां ये बातें कही जाती हैं। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरुरत थी? ऐसा लग रहा है कि विपक्ष इस प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं था। एक औपचारिकता के तौर पर इसे पेश कर दिया गया। ऐसा होने के कई कारण हैं। पहला कारण तो यही है कि विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद वोटिंग नहीं कराई। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि वह वोटिंग कराना चाहती थी लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हुआ। यह सही है कि इससे पहले जब भी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो वोटिंग नहीं हुई और प्रस्ताव ध्वनिमत से ही खारिज हुआ। लेकिन उस समय की स्थितियां अलग थीं। 1987 में बलराम जाखड़ के खिलाफ प्रस्ताव आया था तब कांग्रेस के पास 415 सांसद थे। इसी तरह उससे पहले हुकूम सिंह के खिलाफ प्रस्ताव आया तो प्रस्ताव ही स्वीकार नहीं हुआ क्योंकि 50 सांसद पूरे नहीं हुए। उससे पहले जीवी मावलंकर के खिलाफ प्रस्ताव आया तो उस समय देश की पहली लोकसभा का मामला था, जिसमें कांग्रेस के पास प्रचंड बहुमत था। लेकिन इस बार भाजपा को बहुमत नहीं है और एनडीए के पास भी 293 सांसद ही हैं। दूसरी ओर ममता बनर्जी को मिला कर विपक्ष के पास 233 सांसद हैं। इतिहास में कभी भी विपक्ष इतना मजबूत नहीं रहा है। विपक्ष को अपनी यह मजबूती संसद में दिखानी चाहिएअ थी, जो उसने नहीं दिखाई। सवाल है कि क्या विपक्ष को अपने अंदर बिखराव की समस्या दिख रही थी? यह भी सवाल है कि अगर चर्चा के बाद वोटिंग नहीं करानी थी तो व्हिप जारी करने का क्या मतलब था? वास्तविकता सबको पता थी कि प्रस्ताव खारिज हो जाएगा। फिर भी विपक्ष ने इसे पेश किया था तो चर्चा के बाद वोटिंग के लिए जोर देना चाहिए था। वोटिंग होती तो सरकार की ताकत का भी पता चलता। यह भी पता चलता है कि विपक्ष कितना एकजुट है। सरकार और विपक्ष दोनों से दूरी बना कर चलने वाले 17 सांसदों के रूझान का भी पता चलता। अगर विपक्ष अपनी पूरी ताकत दिखाता तो शायद आगे उसकी बात ज्यादा सुनी जाती। लेकिन विपक्ष ने यह मौका गंवा दिया और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में जुट गया। उसका हस्र भी ऐसा ही होगा, जैसा स्पीकर के मामले का हुआ है और उस समय भी कोई ऐसी बात नहीं कही जाएगी, जो अभी नहीं कही जा रही है।

बहरहाल, वोटिंग के लिए दबाव नहीं डालने के अलावा कई और कारण हैं, जिनसे लग रहा है कि विपक्ष इस प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं था। इसमें एक कारण तो यह है भी है कि जिस समय प्रस्ताव पेश किया गया उस समय विपक्ष में एकता नहीं दिखी। लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता राहुल गांधी और दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर दस्तखत नहीं किए। तीसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस इससे दूर रही। उसके सांसदों ने प्रस्ताव पर दस्तखत ही नहीं किए। हालांकि बाद में ममता बनर्जी ने कहा कि उनके सांसद प्रस्ताव का समर्थन करेंगे लेकिन हो सकता है कि कांग्रेस को तृणमूल और दूसरी विपक्षी पार्टियों के सांसदों पर भरोसा नहीं रहा हो इसलिए वोटिंग के लिए दबाव नहीं डाला गया। विपक्ष की अगंभीरता का पता इस बात से भी चलता है कि अविश्वास प्रस्ताव पर किसी बड़े नेता ने बोलने की जरुरत नहीं समझी। कांग्रेस ने असम चुनाव का ध्यान रखते हुए गौरव गोगोई से भाषण की शुरुआत कराई। राहुल गांधी भी दूसरे दिन तब बोले, जब केसी वेणुगोपाल ने रविशंकर प्रसाद के भाषण के बाद प्वाइंट ऑफ ऑर्डर उठाया और राहुल के जवाब देने के अधिकार की बात कही। इस पर आसन पर बैठे दिलीप सैकिया ने उनको बोलने का मौंका दिया। विपक्ष की अगंभीरता सोमवार, नौ मार्च को दिखाई दी, जब सत्र शुरू होते ही विपक्षी पार्टियों ने पश्चिम एशिया में चल रही जंग पर चर्चा कराने की मांग लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सोचें, यह पहले से तय था कि संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होगा तो पहले दिन स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। लेकिन पहले दिन विपक्ष पश्चिम एशिया में जंग पर चर्चा की मांग करने लगा। कोई चर्चा नहीं हुई फिर भी विपक्ष ने वह मांग छोड़ दी और 10 मार्च को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए तैयार हो गया। स्पीकर के खिलाफ चर्चा के लिए 10 घंटे का समय आवंटित किया गया लेकिन पहले दिन सात घंटे में से सवा छह घंटे विपक्ष के हंगामे में खराब हो गए।

अब नहीं पनपेंगे माओवादी : जरा याद इन्हें भी कर लो

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

देश से सशस्त्र माओवादी आतंक का खात्मा हो गया है। लेकिन अर्बन नक्सलियों का माड्यूल अभी भी सक्रिय है। नक्सलवाद-माओवाद के ख़ूनी पंजों ने चारो ओर कैसे दहशत फैला रखी थी? उसकी गवाह हर वो तारीख़े हैं जब-जब हमारे वीर जवानों ने माओवादियों से लोहा लिया। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में, बस्तर में सुख-शांति के लिए अपना बलिदान दे दिया। ऐसी ही इतिहास की एक तारीख़ है 6 अप्रैल 2010। ये तारीख़ याद कर लीजिए। ये वो तारीख़ थी जब दंतेवाड़ा में CRPF की 62 वीं बटालियन पर घात लगाकर माओवादी आतंकियों ने हमला किया था। सुकमा (तत्कालीन दंतेवाड़ा) के चिंतागुफा, ताड़मेटला के पास माओवादियों ने क्रूरता की अति कर दी थी। लेकिन जवानों का हौसला कम नहीं था। माओवादियों के साथ हुए संघर्ष में 76 जवानों ने अपना बलिदान दे दिया था। CRPF ने वीर बलिदानियों को याद करते हुए लिखा —हमारे 75 श्रेष्ठ जवानों ने 6 घंटे तक चले भीषण संघर्ष में 7 माओवादियों को ढेर किया और 8 को घायल किया, इसके बाद उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। 500 से अधिक भारी हथियारों से लैस माओवादियों और सैकड़ों ढ्ढश्वष्ठह्य से घिरे होने के बावजूद—जो लगभग हर उस स्थान पर लगाए गए थे। जहाँ हमारे जवान शरण लेकर जवाबी कार्रवाई कर सकते थे। उनका साहस अद्वितीय और अविस्मरणीय था।हमारे कुछ वीरों ने अपने साथियों की रक्षा करने और दुश्मन को निष्क्रिय करने के लिए ग्रेनेड पर लेटकर सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम क्षणों में भी वीर सैनिकों ने अपने हथियार अपने नीचे छिपा लिए।

इस क्रूर हमले का मास्टरमाइंड माडवी हिड़मा था। इसके बाद जेएनयू में अर्बन नक्सलियों ने जश्न मनाया था। दंतेवाड़ा क्षेत्र में हमले के समय डीआईजी रहे आईपीएस कल्लूरी ने जेएनयू में हमले

के बाद हुए जश्न की चर्चा करते हुए कहा था —मुझे काफी दु:ख पहुँचा था जब मुझे यह पता चला कि जेनएयू में (कुछ विद्यार्थियों द्वारा) ताड़मेटला में 76 बलिदानी जवानों के बलिदान का जश्न मनाया गया।

साथ ही छत्तीसगढ़ के कांकेर समेत कई अलग-अलग इलाकों में अर्बन नक्सलियों ने जवानों के बलिदान पर जश्न मनाया।? इस घटना को अर्बन नक्सली कही जाने वाली अरुंधति राय की पुस्तक, रिपोर्टिंग के लिए भी देखा जाना चाहिए। क्योंकि इस घटना वाले दिन से अगले— 19 दिन तक अरुंधति राय दंतेवाड़ा में रुकीं। उन्होंने एक रिपोर्ट बनाई थी, जो सेना, प्रशासन और छत्तीसगढ़ सरकार के विरोध में थी। अब आप सोचिए कि जहां एक ओर हमारे 76 जवानों का बलिदान हो गया। वहीं दूसरी ओर अर्बन नक्सली। इसे जीत के तौर पर देख रहे थे। भारत के ख़िलाफ़ छेड़े गए सशस्त्र युद्ध के इस घटनाक्रम पर जश्न मना रहे थे। सेना, पुलिस और सरकार के ख़िलाफ़ प्रोपेगैंडा वाली रिपोर्टिंग की जा रही थी। उन्हें खलनायक बताया जा रहा था। जबकि माओवादी आतंकियों की रहनुमाई की जा रही थी।? क्योंकि अर्बन नक्सलियों के लिए माओवादियों के द्वारा जवानों की हत्या—जीत थी।? इसे वो बड़े माड्यूल के तौर पर फैलाना चाहते थे।

ये ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है कि अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों में कोई विशेष अंतर नहीं है। ये दोनों न तो देश के संविधान को मानते हैं। न ही इनमें राष्ट्र के प्रति कोई निष्ठा है। इनका हमेशा से एक ही उद्देश्य रहा है कि- कैसे भारत में रक्तपात किया जाए। 'जल-जंगल, जमीन' के नाम पर हिंसा की जाए। ये दोनों जनजातीय समाज के, वनवासियों के घोर शत्रु हैं।अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों के रक्तपात के चलते ही— सुदूर वनांचल क्षेत्र विकास से बहुत पीछे रह गए। हालांकि जैसा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि— यह अर्बन नक्सल खुद हाथ में हथियार नहीं लेना चाहते, लेकिन गरीबों के हाथ में हथियार देकर अपनी विचारधारा फैलाना चाहते हैं। मगर उनके भी दिन लद गए हैं। ये कथन इस बात की प्रतिपुष्टि करता है कि हथियारबंद माओवादियों के बाद अगला नंबर अर्बन नक्सलियों का है। जो भी भारत की अखंडता, संप्रभुता और संविधान के ख़िलाफ़ आएगा। वो बख़्शा नहीं जाएगा। मातृभूमि भारतभूमि को हम रक्तरंजित नहीं होने दे सकते।

हमारे वीर जवानों ने सुरक्षा के लिए जिस अदम्य साहस का परिचय दिया है। वर्षों तक माओवादियों की मांद में घुसकर उन्हें नेस्तनाबूद किया है।आज उन वीर बलिदानियों के कारण ही छत्तीसगढ़ ख़ूनी आतंक से बाहर आया है। सशस्त्र माओवादी आतंक का सफाया हो चुका है। अर्बन नक्सली हमेशा से हथियारबंद माओवादियों की ढाल बनकर खड़े रहते थे। अभी भी ये सिलसिला रुका नहीं है। अर्बन नक्सली —

नक्सलवाद के समर्थन में साहित्य लिखते, इंटरव्यू करते, एडिटोरियल लिखते, नाट्य मंचन करते, ढफली बजाते, रैली करते और चिंघाड़ते हुए अर्बन नक्सली नज़र आते थे।? ये मानवाधिकार के नाम पर माओवादी हिंसा को जायज़ ठहराते थे। लेकिन माओवादी आतंकी जिन निर्दोषों की हत्या करते थे। उनके मानवाधिकार पर ये चुप्पी ओढ़ लेते थे। वो माओवादी जो बस्तर के जनजातीय समाज का दमन करते थे। स्थानीय लोगों के जवान बच्चों और महिलाओं को अर्बन नक्सलियों के कॉन्सेप्ट पर उठा ले जाते थे। फिर उनके हाथों में हथियार थमा देते थे। रक्तपात कराते थे। बस्तर के वो बच्चे जिन्हें हाथों में किताबें थामनी थी। अर्बन नक्सलियों, माओवादियों ने - उन्हें बंदूक पकड़ने के लिए मजबूर किया। उनका बचपन, घर-परिवार और समाज सबकुछ छीन लिया। बारूदी गंध की ज़िंदगी जीने को विवश किया। भोले-भाले, सरल हृदय जनजातीय समाज को अपने ही समाज का दुश्मन बना दिया। माओवादियों ने उन्हें रक्तपात करने का हथियार बनाने का जघन्य अपराध किया। क्या इनसे किसी भी प्रकार की सहानुभूति की दिखाई जा सकती है ?

आज जिस माडवी हिड़मा को अर्बन नक्सली हीरो बना रहे हैं। अर्बन नक्सली जिस हिड़मा के लिए नारे लगा रहे हैं। मत भूलिए कि वो आतंकी इन 76 जवानों की हत्या का असल मास्टरमाइंड था। माडवी हिड़मा वो खूंखार आतंकी था जिसने न जाने कितने घर-परिवार उजाड़ दिए। न जाने कितने निर्दोषों को गोली से भून दिया।? नृशंसता के साथ सिलसिलेवार ढंग से हत्याओं को अंज़ाम दिया। अब, उस हिड़मा को महान बलिदानी भगवान बिरसा मुंडा से जोड़ने का अपराध, अर्बन नक्सली कर रहे हैं। बिरसा मुंडा जिन्होंने राष्ट्रीय अस्मिता के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। ईसाई मिशनरियों, अंग्रेज़ों की नाक में दम कर दिया। स्वतंत्रता, जनजातीय अस्मिता, भारत की संस्कृति और कन्वर्जन के ख़िलाफ़जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। अगर कोई भी भगवान बिरसा मुंडा से हिड़मा जैसे माओवादी क्रूर हत्यारे को जोड़ता है तो ये सबसे बड़ा अपराध है। यह हमारे आदर्शों, हमारी संस्कृति, जनजातीय समाज का घोर अपमान है। ये किसी भी क़ीमत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अब भी जो लोग माओवाद के समर्थन में लोगों को बरगलाते दिखाई दें। जो हिड़मा जैसे माओवादी आतंकी को ग्लोरीफाई करते दिखें। जो ये विमर्श करते दिखें कि— अजी ! जल-जंगल जमीन के लिए नक्सलवाद फिर से वापस आ सकता है। ऐसे में ये तय मानिए कि या तो ये अर्बन नक्सली हैं। याकि ये अर्बन नक्सलियों के नैरेटिव के ट्रैप में फंस गए हैं। याकि ये किसी पॉलिटिकल लाइन को एड्रेस कर रहे हैं। देश समेत छत्तीसगढ़ से माओवादी आतंक का सफ़ाया ये बता रहा है कि- अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो। संकल्प हो। समाज के लिए बेहतरी की चिंता हो तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं हो सकता है। हमारे सुरक्षाबल, हमारे गौरव है। उनके असंख्य बलिदानों के प्रति ये राष्ट्र और समाज अपनी कृतज्ञता प्रकट करता है। हमारा छत्तीसगढ़, हमारे बस्तर की माटी और उसकी संतानें अब सृजन का नया विहान रच रही हैं। अब बस्तर में बारूद की गंध कभी नहीं लौटेगी। हमारा पूरा समाज-एक साथ खड़ा है। बस्तर के युवाओं के कंधों पर अब वहां की शिक्षा-रक्षा, स्वास्थ्य-रोजगार, विकास की कमान है। जो अभावग्रस्त हैं। उन तक अब सारे संसाधन तेजी से पहुंचेंगी। वीर गुंडाधुर, भगवान बिरसा मुंडा, दंतेश्वरी माई की संतानें अब मूल को पहचानकर सृजन के गीत गा रही हैं। प्रकृति की लय ताल के साथ एकाकार होकर शांत और सुरम्य तस्वीरें रच रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के निर्देश, 14 अप्रैल से 'स्वस्थ बस्तर अभियान' होगा प्रारंभ

जगदलपुर । कलेक्टर आकाश छिकारा ने समय-सीमा की बैठक में राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि 14 अप्रैल से जिले में स्वस्थ बस्तर अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत घर-घर स्वास्थ्य जांच की जाएगी तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री छिकारा ने मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली ।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग से एम्बुलेंस व्यवस्था, सौ दिन टीबी टेस्टिंग की निक्षय पोर्टल पर प्रगति तथा अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड ब्लॉकिंग की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने ऑनलाइन पोस्टमार्टम रिपोर्ट व्यवस्था लागू करने पर चर्चा की ताकि आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न भंडारण की स्थिति पर संज्ञान लेते हुए सभी एसडीएम को प्रमुख एफसीआई गोदामों का निरीक्षण करने और पीडीएस संचालकों की तहसीलवार मासिक समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अक्रियाशील खातों से राशि जमा करवाने हेतु संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग को शासन के निर्देशानुसार खाद विक्रेताओं की दुकानों में मानकों के अनुरूप विक्रय करने की जांच करने तथा एसडीएम को भी दुकानों का निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक मे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी, एग्रीस्टैक वेरिफिकेशन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने एनसीईआर सर्वे, जनगणना की प्रारंभिक तैयारियों एवं मुख्य सचिव की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के निर्देशों के पालन की समीक्षा भी बैठक में की। आकांक्षी ब्लॉकों में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के चार प्रमुख पैरामीटरों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने 9 अप्रैल को दरभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। जिला प्लांटेशन की कार्ययोजना तैयार करने, जनपदों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित कैंटीन व्यवस्था तथा जन औषधि केंद्रों के संचालन की भी समीक्षा की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत रेडी-टू-ईट निर्माण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन एवं कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों का अपार आईडी बनाने की प्रगति का संज्ञान लिया। इसके साथ ही लोक सेवा गारंटी के लंबित आवेदनों, तथा शिक्षा विभाग में अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को जाति प्रमाण पत्र के आंकड़ों की ब्लॉकवार समीक्षा गूगल शीट में दर्ज करने के निर्देश दिए। बैठक में वय वंदना कार्ड निर्माण, एमएनएसई परीक्षा की तैयारियों सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, श्री ऋषिकेश तिवारी, नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण वर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर बस्तर कांकेर : पंचायत सचिव भर्ती की चयन एवं प्रतीक्षा सूची जारी, दस्तावेज सत्यापन 09 अप्रैल को

उत्तर बस्तर कांकेर (समय दर्शन)। जिला पंचायत कांकेर द्वारा जिले के ग्राम पंचायत सचिवों (पंचायत कर्मी) के 18 पदों पर भर्ती के लिए कम्प्यूटर कौशल परीक्षा के बाद वरीयता सूची के आधार पर संबंधित अभ्यर्थियों की चयन एवं प्रतीक्षा सूची जारी किया गया है। ग्राम पंचायत सचिवों के लिए चयनित 18 अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेज का सत्यापन 09 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से जिला पंचायत कार्यालय कांकेर में किया जाएगा। अभ्यर्थी चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची का अवलोकन जिला पंचायत कांकेर के सूचना पटल एवं जनपद पंचायत भवनों कांकेर, चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल, अंतागढ़ एवं कोयलीबेड़ा के सूचना पटल पर कर सकते हैं। चयन सूची को कांकेर जिले के वेबसाइट https://kanker.gov.in/ पर भी अपलोड किया गया है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

आईआईटी भिलाई के शोधकर्ताओं ने एचपीसीएल एनसीआईसी 2025 में 'कमाण्डेबल आईडिया अवॉर्ड' जीता

दुर्ग (समय दर्शन)। आईआईटी भिलाई के रसायन विज्ञान विभाग के एक शोध समूह, जिसमें भानेंद्र साहू, सुब्रत दोलुई, स्वरूप माईती, देबाशीष दास, के. सी. गुरजाला और डॉ. संजीब बैनर्जी शामिल हैं, के प्रयासों को HPCL NGIC (Ne&t Generation Ideation Contest) 2025 में Commendable Idea Award से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम 30 मार्च 2026 को बेंगलुरु में आयोजित किया गया था, जिसका आयोजन HPCL Green R&D Center द्वारा किया गया।

HPCL NGIC, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड का एक प्रमुख नवाचार मंच है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा, पर्यावरण और सततता से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों के समाधान हेतु उन्नत विचारों की पहचान और प्रोत्साहन करना है। यह मंच देशभर के शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाकर वैज्ञानिक विचारों को वास्तविक और प्रभावी समाधानों में बदलने के लिए एक प्रतिस्पर्धात्मक और गतिशील वातावरण प्रदान करता है। यह पुरस्कार Waste-to-Wealth: Oil Spill Remediation Using Porous Polysulfide Adsorbents शीर्षक वाले शोध कार्य के लिए प्रदान किया गया, जिसे सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलर इकोनॉमी थीम के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया था। यह शोध कार्य उक्त टीम द्वारा किया गया, जिसमें स्वरूप माईती ने कार्यक्रम में समूह का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्य प्रस्तुत किया और टीम की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया।

यह शोध कार्य अपशिष्ट संसाधनों से उन्नत पॉलीमेरिक सामग्रियों के विकास पर केंद्रित है, जो तेल रिसाव (oil spill) के प्रभावी निवारण में सहायक हैं, तथा पर्यावरणीय सततता और परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हैं। इस शोध से संबंधित दो वैज्ञानिक प्रकाशन हो चुके हैं, और इस तकनीक को एक भारतीय पेटेंट भी प्राप्त हुआ है।

HPCL NGIC 2025 में मिली यह मान्यता इस शोध की वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार क्षमता और वास्तविक जीवन में इसके प्रभावी अनुप्रयोग को दर्शाती है, जो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान की दिशा में एक सशक्त कदम है।

आवासीय विद्यालय में निःशुल्क अध्ययन के लिए आवेदन 23 अप्रैल तक आमंत्रित

दुर्ग, (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, नयी सोच के साथ बेहतर कॅरियर चयन का अवसर प्रदान करते हुए प्रतिस्पर्धी बनाना तथा बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। इस योजना अंतर्गत विद्यार्थी को कक्षा 6वीं से 12वीं तक छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालय में अध्ययन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। चयनित उत्कृष्ट विद्यालय को विभाग द्वारा

निर्धारित मान्य शुल्क की प्रतिपूर्ति किया जाएगा। समस्त प्रस्ताव रूचि की अभिव्यक्ति के प्रारूप में कलेक्ट्रेट जिला दुर्ग, सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग के कार्यालय (कमरा नं. 25) में जमा करना होगा। सहायक आयुक्त अदिवासी विकास दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रस्ताव को जिला कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि-23 अप्रैल 2026 अपरान्ह 5.00 बजे तक योजना अंतर्गत संस्थाओं के लिए मापदण्ड एवं विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट www.tribal.cg.gov.in से अवलोकन कर प्राप्त कर सकते है।

उत्तर बस्तर कांकेर: आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

उत्तर बस्तर कांकेर (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए गड्ढे में डूबने और कुंआ में डूबने से मृत्यु होने के तीन प्रकरणों में मृतक के निकटतम आश्रितों के लिए चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

दुर्गूकोंदल तहसील के ग्राम राउरवाही निवासी 72 वर्षीय सोमारू राम की गड्ढा में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती तुलसीबाई कोठारी के लिए चार लाख रुपए तथा ग्राम मेड़ो निवासी 62 वर्षीय मिजाम कोमरा की कुंआ में डूबने से मृत्यु होने से उनके निकटतम आश्रित बाबूलाल कोमरे के लिए चार लाख रूपए सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार भानुप्रतापपुर तहसील के ग्राम कच्चे निवासी 30 वर्षीय चन्दन उर्वशा की कुंआ में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके माता-पिता राधेलाल उर्वशा और श्रीमती रमतूबाई के लिए चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता कलेक्टर द्वारा स्वीकृत की गई है।

लॉ एंड ऑर्डर के मामले में पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी -कलेक्टर आकाश छिकारा

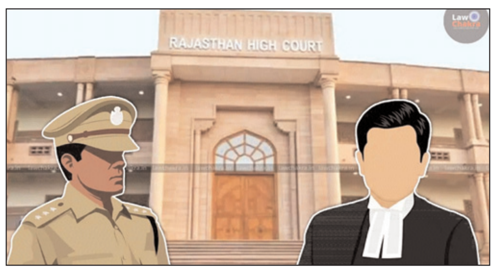

यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध होगी चालानी कार्रवाई-पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा

कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के बैठक में दिए निर्देश

जगदलपुर (समय दर्शन)। जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु कलेक्टर श्री आकाश छिकारा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित जिले के सभी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। कलेक्टर ने कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक में संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति एवं विकास कार्यों को प्रभावित करने वाले तत्वों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा ने कहा कि जिले में लॉ एंड ऑर्डर के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए नियमों का पालन अनिवार्य है। अवैध रूप से वाहन खड़े करने, सड़क पर अतिक्रमण करने तथा यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति के रैली का आयोजन और सभा करने वालों पर भी सख्ती से कार्रवाई की जाएगी । पुलिस अधीक्षक श्री सिन्हा ने आम नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें, जिससे शहर में सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। पुलिस विभाग द्वारा प्रमुख चौक-चौराहों एवं व्यस्त मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा आवश्यकता अनुसार अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

लाल आतंक के सूर्यास्त के साथ सुकमा में उदय हुआ स्वास्थ्य सेवाओं का सूरज

मेगा स्वास्थ्य शिविर में उमड़ा जनसैलाब

जगदलपुर (समय दर्शन) । बस्तर के सुदूर अंचलों में कभी लाल आतंक की धमक से सहमे रहने वाले सुकमा जिले की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। दशकों पुराने संघर्ष और भय के बादलों को चीरकर अब यहाँ विकास और खुशहाली की नई किरणें बिखर रही हैं। जिला प्रशासन सुकमा और बेंगलुरु के एनटीआर फाउंडेशन के साझा प्रयासों से आयोजित दो दिवसीय सुपर स्पेशलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर इस बात का जीवंत प्रमाण है कि अब सुकमा नक्सलवाद की बेड़ियों को तोड़कर स्वस्थ और सशक्त होने की राह पर निकल पड़ा है। मिनी स्टेडियम में विगत 28 और 29 मार्च को आयोजित इस शिविर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि जहाँ कभी गोलियों की गूँज थी, आज वहाँ सेवा और संकल्प के गीत गाए जा रहे हैं।

लाल आतंक की समाप्ति के इस दौर में जब क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना है, तब प्रशासन की पहुँच अंतिम छोर के व्यक्ति तक आसान हुई है। प्रदेश के वन मंत्री एवं सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के द्वारा शुभारंभ पश्चात इस मेगा स्वास्थ्य शिविर में उन संवेदनशील और अंदरूनी क्षेत्रों के 3,700 से अधिक ग्रामीण बेखौफ होकर पहुँचे, जो कभी मुख्यधारा से कटे हुए थे। कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित उक्त मेगा स्वास्थ्य शिविर में कुल 6,500 से अधिक लाभार्थियों की उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि अब ग्रामीण बंदूकों के साये से निकलकर आधुनिक चिकित्सा और विशेषज्ञ परामर्श पर भरोसा जता रहे हैं। शिविर के दौरान 21 विशेषज्ञ डॉक्टरों और 40 स्वास्थ्य योद्धाओं की टीम ने इन वनवासियों के लिए देवदूत बनकर काम किया।

- जनगणना कार्य में लगे अधिकारी व कर्मचारियों को विशेष परिस्थितियों में ही मिलेगा अवकाश

स्कूलों में बायोमेट्रिक अपडेट कार्य शीघ्र पूरा करें- कलेक्टर अभिजीत सिंह

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जनगणना कार्य को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के लिए प्रगणक और पर्यवेक्षकों को समय पर प्रशिक्षण दिया जाना अनिवार्य है। इसके लिए इंचार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु उपयुक्त भवनों का चयन कर प्रशिक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाई गई है, उनका अवकाश स्वीकृत विशेष परिस्थितियों में ही किया जाए। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी। पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं गणना का होगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में परिवारों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित करने के लिए किया जाएगा।

बैठक में ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा और पंजीयन प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। सभी पंचायतों में पंजीयन कार्य प्रारंभ हो चुका है, लेकिन जहां अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां के सचिवों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही जिन पंचायतों में प्रकरण दर्ज हो चुके हैं, वहां संबंधित एसडीएम को नियमित समीक्षा कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट कार्य की भी समीक्षा की। कलेक्टर के मार्गदर्शन में शासकीय और निजी स्कूलों में यह कार्य निरंतर जारी है। वर्तमान में कई स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं और कुछ में समाप्त हो चुकी हैं, जिसके कारण विद्यार्थियों की उपस्थिति कम है। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूल प्राचार्यों के साथ समन्वय स्थापित कर निःशुल्क बायोमेट्रिक अपडेट कार्य को शीघ्र पूर्ण कराएं।

बैठक में एडीएम श्री वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त श्री राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग आयुक्त श्री सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

खबर-खास

राजस्व पखवाड़ा बना मजाक.. पंचायत भवन में ताला बंद..भटक रहे किसान

पिथौरा(समय दर्शन)। जिला कलेक्टर के आदेश पर पुरे महासमुन्द जिले में राजस्व पखवाड़ा के शिविर संचालन का आदेश जारी किया गया था। राजस्व पखवाड़ा शिविर के लिए अलग अलग पंचायत भवन में अलग अलग तारीख तय किया गया है। जनपद पंचायत पिथौरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम राजा सेवैया खुर्द में 7/04/2026 दिन मंगलवार को शिविर आयोजित किया जाएगा,, ऐसा शोशल मिडिया में सरपंच द्वारा प्रचारित किया गया,, जिसके चलते ग्राम राजा सेवैया खुर्द के आश्रित डिपोपारा भूसा पारा, मंडी पारा सहित टिकरापारा के किसान जन जब ग्राम पंचायत राजा सेवैया खुर्द पंचायत भवन पहुंचे तो पंचायत भवन में ताला बंद था।

अपनी समास्या को लेकर पहुंचे ग्रामीण जन पंचायत में ताला बंद देखकर हताश होकर तपती धूप में प्रशासन को कोसते हुए अपने घरों में वापस हो गये। राजस्व पखवाड़ा के संबंध में किसी भी जिम्मेदार अधिकारी के पास कोई जवाब नहीं दिया गया है। पंचायत सचिव स्वयं पंचायत भवन में उपस्थित नहीं हुए ,तो समझा जा सकता है कि, शासन प्रशासन कितना संवेदनशील है ।जनता की समास्या निवारण हेतु।

अनिंयत्रित हो कर पिकअप पलटी, दो की मौत, 37 जख्मी

जगदलपुर(समय दर्शन)। लोहंडीगुड़ा क्षेत्र के घोटिया इलाके में ग्राम ढाबा मारी में आज सुबह 7 बजे एक सड़क हादसा हो गया। गांव के एक टर्निंग पर एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। जिस पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 37 अन्य जख्मी हो गए। घटना की सूचना पर घायलों को तत्काल लोहांडीगुड़ा के सरकारी अस्पताल में लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद 25 - 26 लोगों को जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में रेफर किया गया। लोहांडीगुडा थाना इंचार्ज ने बताया कि ग्राम सिरीसगुड़ा के ग्रामीण कल नारायणपुर क्षेत्र में एक शादी समारोह में गए हुए थे। आज सुबह वापस आते समय यह हादसा हुआ है। जल्द ही वाहन चालक को पड़कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। 37 लोगों को चोटें पहुंची थी। कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद लोहंडीगुड़ा से छोड़ दिया गया था। शेष को इलाज के लिए जगदलपुर भेजा है।

आपदा पीड़ित परिजनों को मिली 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आपदा पीड़ित 03 परिजनों को 04-04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चिखली जिला दुर्ग निवासी मृतक हीरा सिंह यादव की 31 जुलाई 2023 को तालाब के पास जहरीले सांप के काटने से ईलाज के दौरान शासकीय अस्पताल दुर्ग में मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार चरोदा भिलाई 3 निवासी मृतिका हिमेश्वरी महिपाल की 23 जुलाई 2019 को सिगड़ी से खाना पकाते समय कपड़े में आग लगने से उपचार के दौरान 25 जुलाई 2019 को मृत्यु हुई थी। ग्राम तेलीगुंडरा तहसील पाटन जिला दुर्ग निवासी मृतक देव्यांशा साहू की 09 मई 2025 को खेलते-खेलते घर के पीछे तालाब में डुबने से मृत्यु हुई थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. हीरा सिंह यादव की पत्नी श्रीमती पूजा यादव, स्व. देव्यांशा साहू की पिता प्रेमशंकर साहू एवं माता श्रीमती युगेश्वरी साहू और स्व. हिमेश्वरी महिपाल की पति रवि कुमार महिपाल को क्रमश: 04-04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृति दी गई है।

स्कूलों में बायोमेट्रिक अपडेट कार्य शीघ्र पूरा करें- कलेक्टर अभिजीत सिंह

जनगणना कार्य में लगे अधिकारी व कर्मचारियों को विशेष परिस्थितियों में ही मिलेगा अवकाश

दुर्ग(समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जनगणना कार्य को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के लिए प्रगणक और पर्यवेक्षकों को समय पर प्रशिक्षण दिया जाना अनिवार्य है। इसके लिए इंचार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु उपयुक्त भवनों का चयन कर प्रशिक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाई गई है, उनका अवकाश स्वीकृत विशेष परिस्थितियों में ही किया जाए। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी। पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं गणना का होगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में परिवारों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित करने के लिए किया जाएगा। बैठक में ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा और पंजीयन प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। सभी पंचायतों में पंजीयन कार्य प्रारंभ हो चुका है, लेकिन जहां अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां के सचिवों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही जिन पंचायतों में प्रकरण दर्ज हो चुके हैं, वहां संबंधित एसडीएम को नियमित समीक्षा कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट कार्य की भी समीक्षा की। कलेक्टर के मार्गदर्शन में शासकीय और निजी स्कूलों में यह कार्य निरंतर जारी है। वर्तमान में कई स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं और कुछ में समाप्त हो चुकी हैं, जिसके कारण विद्यार्थियों की उपस्थिति कम है। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूल प्राचार्यों के साथ समन्वय स्थापित कर नि:शुल्क बायोमेट्रिक अपडेट कार्य को शीघ्र पूर्ण कराए। बैठक में एडीएम श्री वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त श्री राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग आयुक्त श्री सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

ऐसे उत्कृष्ट खेल का आयोजन प्रतिभाओं का भविष्य तय करने में महत्वपूर्ण- स्वप्निल तिवारी

पिथौरा(समय दर्शन)। शहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित डीयुज बाल क्रिकेट नाईट टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, विशेष अतिथि विजय नायक जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा,विजयराज पटेल अध्यक्ष सहकारी समिति पिथौरा, विधायक प्रतिनिधि सुमित अग्रवाल, सुरेंद्र पांडे, पुष्पराज गजेंद्र ने खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने कहा की पिथौरा खेल आयोजनों के लिये जाना जाता है ।ऐसे खेल आयोजन खिलाड़ियो के लिये मिल का पत्थर साबित हो रहे है। जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र के खिलाड़ी प्रदेश स्तर पर चयनित होकर खेल के क्षेत्र का नाम गौरवान्वित कर रहे है ऐसे खेल आयोजनों की भूमिका खेल प्रतिभाओं का भविष्य तय करती है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आयोजन समिति के कौशलदास मानिकपुरी ,अविनाश पटेल, सैलेन्द्र डड़सेना ,भीमा रौतिया नवीन साहू ,पोलेश मिश्रा, रोमन साहू, दिनेश साहू ,राहुल सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन

दुर्ग(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में माननीय श्री न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के 07 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में विदाई कार्यक्रम का आयोजन माननीय श्री मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के न्यायालय कक्ष में अपराह्न 03:30 बजे संपन्न हुआ।

इस अवसर पर माननीय श्री न्यायाधीश रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के समग्र जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विधिक ज्ञान, निष्पक्षता एवं प्रशासनिक दक्षता की सराहना एवं उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके भावी जीवन हेतु शुभकामनाएं दी। माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अभिव्यक्त किया कि न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का न्यायिक जीवन उत्कृष्टता, निष्ठा और न्याय के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण रहा है, वे अपने कार्यकाल के दौरान स्पष्टता, संतुलित दृष्टिकोण तथा विधि के शासन के प्रति सम्मान के लिए जाने जाते हैं और अपने सम्पूर्ण न्यायिक जीवन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा अपनी शालीनता, अनुशासनात्मक दृष्टिकोण एवं संस्था के प्रति गहरे सम्मान के लिए विख्यात रहे हैं।

उनके निर्णय न केवल विधिक विवेचन तक सीमित रहे, बल्कि उनमें न्याय की मानवीय समझ भी परिलक्षित होती रही है। माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय ने यह भी कहा कि उनके निर्णयों ने व्यवस्था को सुदृढ़ किया तथा उनका आचरण युवा न्यायिक अधिकारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना और अपने कार्यकाल में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने विधि के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक उल्लेखनीय निर्णय दिए, कुल 9,800 से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया, जिनमें 238 ए.एफआर. निर्णय भी सम्मिलित हैं, ये आंकड़े मात्र संख्यात्मक उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि उनके न्यायिक दृष्टिकोण एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

माननीय श्री न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन में ईश्वर, माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा एवं समस्त माननीय न्यायाधीशगण, परिवार, न्यायिक अधिकारीगण, सहयोगियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए।

उल्लेखनीय है कि माननीय श्री न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का जन्म 08 अप्रैल, 1964 को अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) में हुआ, उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय बहुउद्देश्यीय विद्यालय, अंबिकापुर से प्राप्त की, तत्पश्चात अंबिकापुर महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर से विधि शिक्षा प्राप्त की।

गांव चलो घर चलो अभियान की शुरुआत, ग्रामीणों से किया संवाद, 19 लाख की सौगात दी

क्षेत्र का विकास,जनता की सेवा भाजपा का संकल्प: किरण सिंह

जगदलपुर (समय दर्शन)। 47 वां स्थापना दिवस मना रही भारतीय जनता पार्टी 7 से 12 अप्रैल तक सघन जनसंपर्क करने गांव चलो घर चलो अभियान चला रही है। आज मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण सिंह देव ने जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के नानगुर मण्डल के ग्राम जामावाड़ा में पहुंच कर गांव चलो घर चलो अभियान की शुरुआत की? और जामावाड़ा की ग्रामीण जनता से सीधे संवाद करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत जानकारी लेते हुए चर्चा की।

श्री देव ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे यह भाजपा सरकार की मंशा है। गांव चलो घर चलो अभियान का यही उद्देश्य भी है। गांव चलो घर चलो अभियान में ग्राम जामावाड़ा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने 19 लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। कासरीपारा में 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण लागत 9.50 लाख भदरा गुड़ा में 300 मीटर सीसी सड़क लागत 9.50 लाख का भूमिपूजन किया। इस दौरान श्री देव ने ग्राम का सघन भ्रमण किया और प्रधानमंत्री आवास योजना के ग्रामीण हितग्राहियों के घरों में जाकर बातचीत की। महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं से भी चर्चा की और ग्रामीण कार्यकर्ताओं के साथ जमीन में बैठकर भोजन किया। ग्रामीणों ने बताया कि जामावाड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना में 140 स्वीकृति,पेंशन योजना में 225, भूमिहीन कृषि मजदूर 31, प्रधानमंत्री उज्जवला गैस के 465, प्रधानमंत्री किसान निधि में 242 लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास हो रहा है। गांव, गरीब, किसान, महिला व युवाओं के विकास करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला गैस, किसान सम्मान निधि, महतारी वंदन योजना, पेंशन योजना, भूमिहीन कृषि मजदूर,पीएम सूर्य घर योजना, वीबी रामजी योजना हमारे गांव के लोगों के विकास के उद्देश्य को पूरा करने की लागू की है, जिसका लाभ सभी को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना छत्तीसगढ़ में जनता को लाभ मिला है । प्रदेश में 70 लाख महिला बहनों को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है ।उपस्थित ग्रामीणों, महिलाओं व किसानों ने जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक किरण देव का सहृदय धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि करोड़ों के विकास कार्य क्षेत्र में जनता के मांग के अनुरूप हो रहे हैं। जिसमें सड़क,नाली, पुलिया,डोम शेड, देवगुड़ी का उन्नयन, पानी व्यवस्था,विधुत संबंधित,शिक्षा जैसे सुविधाएं व अन्य विकास कार्य हो रहे हैं। वहीं मंडल प्रभारी सुब्रतो विश्वास एवं मंडल अध्यक्ष हरि राम मंडावी ने भी अपनी बातों को रखा। इस दौरान मंडल प्रभारी सुब्रतो विश्वास, मंडल अध्यक्ष हरि राम मंडावी,लखीधर बघेल, आर्येंद्र सिंह, चंद्रकांत सेठिया,संरपंच रैदू नाग, नीलांबर सेठिया,बालमती नागेश,बोड़की मंडावी,सुंकाती गौतम ,रामकेशरी गोयल, सुखलाल,कमल कुमारी, डमरू भारती ,सुकुरू, हरिशंकर कश्यप,दयाराम सुकलधर,धरमू मंडावी,लखमू,उदय दुबे, देवीसिंह,चैतराम नाग,व काफी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता व ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सानटेमरी पिथौरा में 77 करोड़ रुपए लागत के 44 सड़कों का भूमिपूजन

ग्रामीण सड़कों की स्वीकृति से आर्थिक उन्नति के द्वार खुलेंगे - सांसद श्रीमती चौधरी

पिथौरा(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत जिले के पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत सानटेमरी में आज सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरीनंद के विशिष्ट आतिथ्य में कुल 44 सड़कों के निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्य किया गया। इन सड़कों की कुल लंबाई 96.495 किलोमीटर है, जिसकी लागत 77 करोड़ 47 लाख 99 हजार रुपए है। भूमिपूजन कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, जनपद पंचायत पिथौरा की अध्यक्ष श्रीमती उषा धृतलहरे, जनपद सदस्य कंवलजीत सिंह छाबड़ा,जनपद सभापति पुरुषोत्तम धृतलहरे,जनपद सदस्य श्रीमती बिमला बेहरा, जिला आर्थिक प्रकोष्ठ प्रमुख सुमीत अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश अग्रवाल, कैलाश चंद्र अग्रवाल, हलधर साहू,अभिमन्यु प्रधान, ग्राम पंचायत सानटेमरी के सरपंच देवेन्द्र यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने भूमिपूजन कर विकास कार्यों का शुभारंभ किया तथा सभी क्षेत्रवासियों को इस सौगात के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, कृषि उत्पादों के परिवहन में तेजी आएगी और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन का संकल्प है कि कोई भी गांव विकास से अछूता न रहे। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सरकार का उद्देश्य हर गांव को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक प्रगति सुनिश्चित हो सके। सांसद श्रीमती चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन कार्यों को गुणवत्ता और समय सीमा में पूरा करें, ताकि जनता को इसका शीघ्र लाभ मिल सके। सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरीनंद ने विकास के लिए सड़कों को जरूरी बताया और कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुलभ सुविधा आवश्यक है। इन सड़कों के निर्माण से निश्चित तौर पर आवागमन सुगम होगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता आशीष कुलदीप ने बताया कि जल्द ही टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी और समय सीमा में सड़क निर्माण का कार्य पूरा किया जाएगा।

युवा नेतृत्व को बड़ी जिमेदारी, सुमित अग्रवाल बने भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ जिला महासमुंद के संयोजक

महासमुन्द (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आर्थिक प्रकोष्ठ जिला महासमुंद के संयोजक पद पर सुमित अग्रवाल की नियुक्ति किए जाने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। युवा एवं सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में पहचान रखने वाले सुमित अग्रवाल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। नवनियुक्त संयोजक सुमित अग्रवाल ने अपनी नियुक्ति पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आर्थिक प्रकोष्ठ को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय, आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर, जिला प्रभारी जयंती पटेल एवं जिला अध्यक्ष येरतराम साहू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में संगठन को नई दिशा और गति मिलेगी। आर्थिक प्रकोष्ठ जिला महासमुंद के सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों ने भी संयुक्त रूप से पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा जो विश्वास जताया गया है, वह उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और वे इस विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

पदाधिकारियों ने कहा कि वे संगठन की रीति-नीति के अनुरूप कार्य करते हुए जिले में आर्थिक प्रकोष्ठ को सशक्त बनाने, व्यापारियों एवं आमजन के साथ समन्वय स्थापित करने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

सभी नव नियुक्त सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करेंगे।

अंत में सुमित अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारियों ने पुन: पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन हित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।

सिरको में प्राथमिक कृषि शाख सहकारी सोसायटी कार्यालय शुभारंभ

बसना (समय दर्शन)। प्राथमिक शाख सहकारी सोसायटी मर्यादित सिरको (पंजीयन क्रमांक 963) के संचालन का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। लंबे समय से सिरको क्षेत्र के किसानों को अलग प्राथमिक शाखा न होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब इस नई पहल से किसानों को स्थानीय स्तर पर ही सुविधाएं मिल सकेंगी।

बताया गया कि पहले सिरको, सलडीह से संबद्ध उप सहकारी संस्था के रूप में कार्य करता था, जिससे किसानों को दूर जाकर कार्य कराना पड़ता था। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुराने पंचायत भवन का जीर्णोद्धार कर उसे सहकारी भवन के रूप में विकसित किया गया है। यहां अब सहकारी कार्यों का सुचारू संचालन किया जाएगा।

शुभारंभ अवसर पर पंडित द्वारा विधि-विधान से पूजा कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में कृषक गण उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर कार्य के सफल संचालन की कामना की। इस दौरान किसानों ने इस पहल को क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

कार्यक्रम में मंडी प्रभारी अरविंद सिदार, फड़ प्रभारी कैलाश पटेल, कंप्यूटर ऑपरेटर पुरुषोत्तम मालिक, सोहन पटेल सहित कई कृषक मौजूद रहे। इस कार्य को साकार रूप देने में पूर्व सरपंच तपस्विनी कृष्णचंद्र बरीहा का विशेष योगदान रहा। साथ ही पूर्व सरपंच जयप्रकाश मिश्रा, रेमड़ा सरपंच पार्वती शरण नेताम, सिरको सरपंच बंशीधर सिदार एवं वर्तमान सरपंच फगुलाल नेताम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्थानीय किसानों ने उम्मीद जताई है कि अब सहकारी सोसायटी के माध्यम से खाद-बीज, ऋण एवं अन्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध होंगी, जिससे कृषि कार्यों में तेजी आएगी और किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत 181 ग्रामों में लगे शिविर

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में आमजनों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 01 अप्रैल से 6 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के कुल 181 ग्रामों में शिविर लगाए गए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। शिविरों में कुल 1220 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 999 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया गया। त्वरित निराकरण से ग्रामीणों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखा गया।

शिविरों में मुख्य रूप से नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न राजस्व संबंधी मामलों का निराकरण किया गया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा मौके पर ही दस्तावेजों की जांच कर समस्याओं का समाधान किया गया। शेष 221 आवेदन लंबित हैं।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शेष लंबित आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा कि आम जनता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सभी लंबित मामलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने राजस्व अमले को निर्देश दिए कि वे आमजन से संवेदनशीलता के साथ संवाद करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करें तथा शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता एवं तत्परता बनाए रखें।

नेशनल हाईवे पर कांग्रेस का चक्का जाम: बेलाट नाला में पुलिया और झाखरपारा में बैंक की मांग तेज

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी गरियाबंद के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवभोग के नेतृत्व में सोमवार को नेशनल हाईवे पर जोरदार चक्का जाम कर दो प्रमुख जनहित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया।इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी सड़क पर उतर आए, जिससे काफी समय के लिए यातायात बाधित रहा।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग 36 गांवों को जोड़ने वाले बेलाट नाला पर पुलिया निर्माण और झाखरपारा में जिला सहकारी बैंक की स्थापना है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा का कहना है कि पुलिया के अभाव में ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी होती है,खासकर बारिश के दिनों में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं।वहीं झाखरपारा में सहकारी बैंक नहीं होने से किसानों और आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर जाना पड़ता है।कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा सहित जिला पदाधिकारी,क्षेत्रीय विधायक जनक ध्रुव,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व पदाधिकारी, युवक कांग्रेस,महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विधायक जनक ध्रुव ने कार्यकर्ताओं के साथ एक स्वर में प्रशासन से जल्द से जल्द इन मांगों को पूरा करने की मांग की।साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई,तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।इस दौरान जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा जनक धुव विधायक भुपेंद्र मांझी महेश्वर बघेल कुंजल यादव लोकेंद्र सिंह कोमर्रा महामंत्री सोदर कश्यप राजेश तिवारी नगर पंचायत अध्यक्ष जयकुमार यादव आदि उपस्थित थे।

खबर-खास

वेतन के लिए कोई क्यों बदल ले धर्म, शिकायतकर्ता पहुंचे सिविल लाइन थाना

रायपुर/बिलासपुर(समय दर्शन)। 12 पुरुष महिलाओं ने मिलकर सिविल लाईन थाना रायपुर में एक लिखित शिकायत की है। इस शिकायत पर कार्यवाही हो जाए तो छत्तीसगढ़ डायोसिस के उन पदाधिकारी पर ही एफआईआर हो जाएगी जिन्होंने धर्म स्वतंत्र विधेयक का समर्थन किया है। मामला सालेम स्कूल का है यहां कई महीने से वेतन नहीं मिल रहा है। ऐसे में सफाई कर्मचारी लीला निर्मलकर , मनोरमा कुमार, दुर्गा, ज्योति, विनीता, गायत्री ने शिकायत की है कि उन्हें प्रबंधन द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। वेतन चाहिए नौकरी चलना है तो धर्म बदल लो.... गौर तलब है कि छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन पंजीकृत में हाल ही में एक चुनाव हुआ जिसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। मामला अभी सुनवाई पर ही है। धारा 27 का प्रमाण पत्र किसी के पास नहीं है फिर भी नितिन लॉरेंस गुट स्कूलों पर अपना नियंत्रण करना चाह रहा है। ऐसे में दबाव पूर्वक धर्मांतरण की शिकायत स्कूल में कुछ तो गड़बड़ है का इशारा करती है।

पाटन में मजदूरों का प्रदर्शन, योजनाओं का लाभ नहीं मिलने पर फूटा गुस्सा

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के पाटन में मजदूरों ने विभिन्न मांगों को लेकर जनपद पंचायत कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे मजदूरों ने सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन के खिलाफजमकर प्रदर्शन किया।मजदूरों का आरोप है कि हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। कई पात्र लोगों को पेंशन से वंचित रखा गया है, वहीं मनरेगा के तहत रोजगार नहीं मिलने से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।प्रदर्शन की खास बात यह रही कि मजदूर अपने साथ फावड़ा और गैती लेकर पहुंचे, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही खाट और बिस्तर लेकर धरना स्थल पर पहुंचे। इस अनोखे विरोध के जरिए उन्होंने अपनी परेशानी और नाराजगी को खुलकर जाहिर किया।प्रदर्शन के दौरान मजदूरों को जनपद पंचायत के मुख्य गेट पर ही रोक दिया गया, जहां से केवल एक प्रतिनिधिमंडल को अंदर जाने की अनुमति दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर समस्याओं से अवगत कराया।मजदूरों ने प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि तय समय के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे बोरिया-बिस्तर के साथ अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेंगे।प्रदर्शन में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण भी बड़ी संख्या में शामिल रहे। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोण्डागांव (समय दर्शन)। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक के बाद साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की मांगों एवं समस्याओं को सुना। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम सलना डूमरापारा के ग्रामीणों ने शासकीय प्राथमिक शाला के खेल मैदान की जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत करते हुए खेल मैदान को सुरक्षित रखने की मांगी की, जिस पर एसडीएम केशकाल को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम निलजी निवासी कुंवरलाल बघेल ने प्री मैट्रिक बालक छात्रावास खोलने की मांग की, जिस पर कार्यवाही हेतु आदिवासी विकास विभाग को निर्देशित किया गया। इसी प्रकार ग्राम अदनार निवासी अंधारूराम ने बंटवारा, ग्राम लेमड़ी निवासी रामधर नेताम, ग्राम काटागांव निवासी बिहरू राम नेताम, प्रभुराम मरकाम सहित अन्य ग्रामीणों ने वन अधिकार पत्र, की मांग की।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202604104500017

मामले की श्रेणी:- राजस्व

विषय:- अ-6 सन:- 2025 2026

जामगांव (प ह न. 00014),

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - रामकुमार,

अनावेदक पक्षकार -रामकुमार, निर्मला बाई, शकुन, रूपा बे., सुनिती बाई

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम जामगांव (एम) प.ह.नं. 16 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक रामकुमार पिता रामचरण पता-जामगांव एम् ने आवेदन प्रस्तुत किया है कि आवेदक एवं निर्मला, शकुन, सुनिति एवं रूपा के संयुक्त नाम पर ग्राम जामगांव (एम) पहनं. 16 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. मे खसरा नं. 476, 485, 489, 491, 496, 578, 868, 880, 1030, 1189, 1200, 1205 रकबा क्रमशः 0.05, 0.22, 0.34, 0.11, 0.30, 0.27, 0.13, 0.13, 0.15, 0.22, 0.15, 0.03 है. कुल खसरा 12 कुल रकबा 2.01 है. के भू स्वामी रूपा बेवा स्व. रामचरण चंद्राकर का फौत हो जाने से उनका नाम राजस्व अभिलेख से विलोपित किये जाने एवं राजस्व अभिलेख दुरुस्त किये जाने का आदेश प्रदान करने की कृपा करे आवेदन प्रस्तुत आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 27.04.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 02/04/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर वृद्धाश्रमों में स्वास्थ्य जांच एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

बेमेतरा (समय दर्शन)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में वृद्धाश्रम कंतेली एवं वृद्धाश्रम कोबिया में स्वास्थ्य जांच शिविर एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति रही। शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को उनके स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान बताया गया कि स्वस्थ जीवन जीना प्रत्येक नागरिक का मूलभूत मानव अधिकार है।

शिविर में उपस्थित लोगों को विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत योजना एवं जन स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया और उसके लाभों के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में नियमित व्यायाम के महत्व, मानसिक एवं शारीरिक समस्याओं से बचाव तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। वरिष्ठ नागरिकों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सहायता योजना की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों, सम्मानपूर्ण जीवन एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों द्वारा उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। प्राथमिक जांच के उपरांत आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के अधिकार मित्र, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी एवं स्टॉफ नर्स दीपांजली डेनियल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामलीला मैदान में शिक्षकों का महासैलाब: टेट अनिवार्यता के खिलाफ टीएफआई की ऐतिहासिक हुंकार, छत्तीसगढ़ से हजारों शिक्षक शामिल

बेमेतरा (समय दर्शन)। अनिवार्यता के विरोध में 'टीचर्स फेडरेशन ऑफइंडिया' द्वारा 4 अप्रैल को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में एक विशाल आंदोलन का आयोजन किया गया। इस आंदोलन में देशभर से आए लाखों शिक्षकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिसने शिक्षकों की एकजुटता और उनके संघर्ष की गूंज को राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचा दिया है।

छत्तीसगढ़ से प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राठौर के नेतृत्व में हजारों की संख्या में शिक्षक दिल्ली पहुँचे। शिक्षकों की इस भारी उपस्थिति ने स्पष्ट कर दिया कि छत्तीसगढ़ का शिक्षक समाज अपने अधिकारों के लिए किसी भी निर्णायक लड़ाई हेतु पूरी तरह तैयार है। आंदोलन को संबोधित करते हुए ञस्त्रढ्ढ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्रा शर्मा ने कहा, टेट अनिवार्यता का निर्णय लाखों अनुभवी शिक्षकों के भविष्य के साथ अन्याय है। सरकार को इस फैसले को तत्काल वापस लेना चाहिए, अन्यथा यह आंदोलन आने वाले समय में और भी उग्र एवं व्यापक रूप धारण करेगा।

मुख्य अतिथि का आश्वासन

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि वे इस गंभीर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे हर परिस्थिति में शिक्षकों के साथ खड़े हैं और जरूरत पड़ने पर उनके हक के लिए संसद में भी आवाज बुलंद करेंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के शिक्षक अपने सम्मान और हक की लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने सभी साथियों से एकजुट रहकर इस संघर्ष को अंतिम परिणाम तक ले जाने का आह्वान किया।

इस आंदोलन में मुख्य रूप से प्रदेश संयोजक मनीष मिश्रा, संयुक्त शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन, बसंत कौशिक, शेषनाथ पांडे, रंजीत बनर्जी, दिलीप लहरे, देवराज खुटे, हरीश गोपाल, रामलाल साहू, सुनील पांडे, पोखन साहू, दिनेश राठौर, अशोक कुमार धुर्वे, और मदन राठौड़ सहित सैकड़ों पदाधिकारी शामिल हुए। बेमेतरा, बलौदाबाजार, खैरागढ़, कबीरधाम और रायपुर जिलों से टेकेंद्र राजपूत, तोपचन्द साहू, शिवराज ध्रुव, मनीष कुमार पाटिल, हुकेश पटेल, जीवन चन्देल, दीपक निर्मलकर, अजय यादव, राधेश्याम सिन्हा, राजू टंडन, गुरुचरण पटेल, राजदास मृचन्डे आदि उपस्थित थे।

बूथ 99 में कांग्रेस की बड़ी सेंध, बीजेपी के 20 कार्यकर्ताओं ने थामा हाथ का दामन

गरियाबंद (समय दर्शन)। बूथ गठन को लेकर आयोजित बैठक में राजिम क्षेत्र के बूथ क्रमांक 99 पर राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गया,जब भारतीय जनता पार्टी के 20 सदस्यों ने पार्टी की विचारधारा से दूरी बनाते हुए कांग्रेस का दामन थाम लिया।इस घटनाक्रम से क्षेत्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

बैठक के दौरान पूर्व पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ला ने संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया।इसी बीच बीजेपी से जुड़े 20 कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा कर दी।सभी नवप्रवेशी सदस्यों का कांग्रेस नेताओं द्वारा फूल-माला पहनाकर अमितेश शुक्ला ने स्वागत किया गया।

नवप्रवेशी कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे कांग्रेस की नीतियों और जनहितकारी सोच से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। कांग्रेस नेताओं ने इसे संगठन की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि लगातार लोग पार्टी की विचारधारा से जुड़ रहे हैं,जिससे आने वाले समय में कांग्रेस और मजबूत होगी।वहीं इस घटनाक्रम से बीजेपी खेमे में भी हलचल मच गई है।

स्थानीय राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बूथ स्तर पर इस तरह की टूट-फूट आने वाले चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।इस दौरान अमितेश शुक्ला और जिला उपाध्यक्ष पावन सोनकर मंडल अध्यक्ष गोविंद कहार पार्षद यशवंत निराला के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पाटन में मजदूरों का जंगी प्रदर्शन

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के पाटन से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां जनपद पंचायत के सामने मजदूरों ने जोरदार प्रदर्शन किया है।

दरअसल, मजदूरों का आरोप है कि हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। पेंशन हितग्राहियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही, वहीं मनरेगा के तहत भी मजदूरों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। इन सभी समस्याओं को लेकर आज सैकड़ों की संख्या में मजदूर एकजुट होकर प्रदर्शन करने पहुंचे।

प्रदर्शन की खास बात यह रही कि मजदूर अपने साथ फावड़ा और गैती लेकर पहुंचे थे, जबकि पीएम आवास योजना के हितग्राही पलंग और बिस्तर लेकर धरना स्थल पर पहुंचे। इससे उनका गुस्सा और नाराजगी साफ तौर पर देखने को मिली। मजदूरों ने कलेक्टर और सीईओ के नाम ज्ञापन सौंपते हुए 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि अगर निर्धारित समय के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे बोरिया-बिस्तर के साथ जनपद पंचायत के सामने अनिश्चितकालीन प्रदर्शन करेंगे।

प्रदर्शन के दौरान मजदूरों को जनपद के मुख्य गेट के पास ही रोक दिया गया और केवल एक प्रतिनिधिमंडल को ही अंदर जाने की अनुमति दी गई। इस दौरान तहसीलदार और सीईओ को ज्ञापन सौंपा गया।

वहीं, प्रदर्शन में शामिल वक्ताओं ने जिला पंचायत दुर्ग के सीईओ के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर की। फिलहाल प्रशासन की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर सबकी नजर बनी हुई है।

राजस्व परववाड़ा के अंतर्गत जिले में आयोजित शिविरों में आम जनता के राजस्व संबंधी समस्याओं का किया जा रहा है निराकरण

बालोद(समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा आम जनता के राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने हेतु प्रथम चरण के अंतर्गत 01 अप्रैल से बालोद जिले के विभिन्न पटवारी हल्के एवं ग्राम पंचायतों में आयोजित 'राजस्व पखवाड़ा' के दौरान आम जनता के राजस्व संबंधी समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत जिले में आयोजित शिविरों में आम जनता के राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने हेतु पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन के आला अधिकारियों के द्वारा सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य राजस्व अधिकारीगण शिविरों में पहुँचकर राजस्व पखवाड़ा के कार्यों का सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं। बालोद जिले में राजस्व पखवाड़ा के प्रथम चरण के अंतर्गत 01 अप्रैल से आज 07 अप्रैल तक आयोजित शिविरों में प्राप्त कुल 2261 आवेदनों में से 1517 आवेदनों का राजस्व विभाग के अमले द्वारा परीक्षण उपरांत त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया है। उल्लेखनीय है कि आज 07 अप्रैल को जिले के डौण्डीलोहारा तहसील के ग्राम पंचायत भंवरमरा, खैरकट्टा, कोड़ेकसा, चिल्हाटीकला तथा डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गुजरा, खैरवाही, अवारी, मरदेल, गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कोटगांव, अर्जुनी टिकरी आदि ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों में आम जनता से प्राप्त अविवादित नामांतरण, अविवादित खाता विभाजन, व्यपवर्तन, वृक्ष कटाई, नक्शा बटांकन, फौती नामांतरण, बटवारा, अभिलेख त्रुटिसुधार आदि से संबंधित राजस्व प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया।

ग्राम पंचायत खोड्डल में राशन कार्डधारियों का खाद्यान्न डकारे जाने की शिकायत

कोरबा (समय दर्शन)। जिले में गरीबों के राशन पर डाला जा रहा है। सोसाइटी संचालकों को द्वारा नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण नहीं किया जा रहा है। राशन कार्डधारियों का खाद्यान्न डकारे जाने की शिकायत लेकर कलेक्टर जनदर्शन में ग्राम कोरकोमा और खोड्डुल के ग्रामीण पहुंचे थे। खोड्डुल के सरपंच और जनपद सदस्य सहित शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत खोड्डुल के लगभग 40 प्रतिशत राशन कार्डधारियों को मार्च महीने का चावल अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है तथा उचित मूल्य 9दुकान के संचालकों जो कि गुरु घासीदास महिला स्व सहायता समूह (कोड 552001070) के द्वारा सूचना दिया जा रहा है कि मार्च महीने का चावल गांव के लगभग 40 फीसदी कार्ड धारियों का आया ही नहीं है। पूर्व माह में पहले से हितग्राहियों का पंचिंग करवा लिया जाता है। उसके पश्चात् राशन नहीं दिया जाता है, जिससे ग्रामीण परेशान हैं।गांव वालों में उदासी है, जीवन यापन करने में बहुत परेशानी हो रही है। उन्होंने मांग की है कि राशन कार्ड धारियों को राशन देने एवं समस्या का निराकरण किया जाए।

डुबान प्रभावित क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित

धमतरी (समय दर्शन)। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की पहल पर डुबान प्रभावित क्षेत्रों के ग्राम पंचायत अरौद बारबांध, उरपुटी और पहरियाकोना स्कूल के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, क्षमता निर्माण एवं व्यावहारिक ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से आज एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इनमें स्कूलों की 30 बालिकाएं व 10 बालक शामिल थे। इस अभिनव पहल के अंतर्गत ग्राम हरफर एवं ग्राम गंगरेल के विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक, तकनीकी एवं संस्थागत स्थलों का भ्रमण कराया गया, जिससे उन्हें पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। भ्रमण कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 09:00 बजे ग्राम हरफर से हुई। इसके पश्चात ग्राम गंगरेल में विद्यार्थियों को बोट के माध्यम से गंगरेल डेम का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें डेम के निर्माण, जल प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था तथा इसके क्षेत्रीय महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिससे उनके ज्ञान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने गंगरेल स्थित साइंस पार्क का अवलोकन किया, जहाँ विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को सरल, रोचक एवं प्रयोगात्मक तरीके से समझने का अवसर मिला।

पी आई स्टाफ आवास एवं मेस
रविशंकर स्टेडियम दुर्ग (छ.ग.) - 491001

फोन नं. 0788-2999657 email:-cgbnnccdurg@gmail.com

37 बटा/302/क्यू/एनसीसी/भवन दिनांक 02 अप्रैल 2026

पी आई स्टाफ आवास एवं मेस भवन हेतु सूचना

37 सीजी बटालियन एनसीसी रविशंकर स्टेडियम में पदस्थ पी आई स्टाफ आवास एवं मेस शिक्षक नगर में संचालित हो रहा है। शासकीय एनसीसी कार्यालय भवन अन्यत्र जगह स्थानांतरित होने वाला है। पी आई आवास एवं मेस भवन हेतु जिस किसी भू- स्वामी के पास 5000 वर्गफीट पी आई आवास एवं मेस हेतु भवन उपलब्ध है एवं सरकारी मूल्य पर भवन किराये देने के इच्छुक है। वे दिनांक 15 अप्रैल 2026 तक आवश्यक दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में सम्पर्क करें। अधिक जानकारी हेतु नीचे उल्लेखित मो. नं. से भी सम्पर्क कर सकते है।

मो. 7006897338

Colonel
commanding Officer
37 CG BN NCC
Durg (Chhattisgarh)

जी-262700047/2

कार्यालय, 37 छ.ग. बटालियन एनसीसी
रविशंकर स्टेडियम दुर्ग (छ.ग.)- 491001
फोन नं. 0788.2999657, email-37cgbnnccdurg@gmail.com

37बटा/302/क्यू/एनसीसी/भवन दिनांक 02 अप्रैल 2026

एनसीसी भवन हेतु सूचना

37सीजी बटालियन एनसीसी कार्यालय रविशंकर स्टेडियम परिसर में संचालित हो रहा है लेकिन स्टेडियम की हालत जर्जर होने के कारण कार्यालय का संचालन करना असंभव है. दुर्ग शहर में शासकीय कार्यालय हेतु भवन की शीघ्र आवश्यकता है. एनसीसी कार्यालय भवन हेतु जिस किसी भू-स्वामी के पास 13000 वर्गफीट कार्यालय हेतु भवन उपलब्ध है एवं सरकारी मूल्य पर भवन किराये देने के इच्छुक है. वे दिनांक 15 अप्रैल 2026 तक आवश्यक दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में संपर्क करें. अधिक जानकारी हेतु नीचे उल्लेखित मो.नं. से भी संपर्क कर सकते हैं.

मो. नं. 7006897338

Colonel
commanding Officer
37 CG BN NCC
Durg (Chhattisgarh)

जी-262700046/2

रिसाली निगम का बजट: रिसाली महापौर ने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में 12.08 लाख लाभ का बजट सदन में किया प्रस्तुत

सदन में 22351.00 लाख का बजट प्रस्तुत

रिसाली (समय दर्शन)। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने मंगलवार को 223 करोड़ 51 लाख रूपए का 2026-27 के लिए बजट प्रस्तुत की। महापौर के 23 मिनट के बजट अभिभाषण प्रस्तुत करने के सवा तीन घंटे बाद सभापति केशव बंछोर के विशेष सभा में बजट संकल्प पारित कराया। अभिभाषण के बाद नगर पालिक निगम के नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने चर्चा की शुरूआत की।

महापौर शशि सिन्हा ने अपने बजट अभिभाषण में कहा कि वर्ष 2026-27 नगर पालिक निगम रिसाली के वित्तीय योजनाओं का महत्वपूर्ण बजट है। हमने समस्त नागरिकों के साथ मिलकर सेवा का अवसर प्राप्त किया है। हमने संकल्प लिया है कि रिसाली को स्वच्छ सुंदर व्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करेंगे। उन्होंने अपने बजट अभिभाषण में वर्ष 2025-26 में हुए कार्यों को उपलब्धि पूर्ण बताया। साथ ही आने वाले समय में अनुमानित बजट को सदन में रखते हुए सभी से अनुरोध किया कि यह लाभ का बजट नागरिकों के हित में है। महापौर शशि सिन्हा ने अपनी बजट अभिभाषण में अब तक किए कार्यो का उल्लेख की। सवा तीन घंटे के चर्चा उपरांत सभापति केशव बंछोर ने शाम 6:15 बजे बजट को विशेष सभा में अंगीकार कराया। बजट के लिए बुलाए गए विशेष सभा में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू और सत्ता पक्ष की ओर से पार्षद चन्द्रभान ठाकुर ने चर्चा की शुरूआत की।

बजट चर्चा के दौरान विपक्ष बैठे गर्भगृह में

महापौर के बजट अभिभाषण के बाद सभापति केशव बंछोर ने बजट पर चर्चा के लिए सदन के विशेष सभा में उपस्थित पार्षदों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया। कुछ देर बाद सभापति ने 20 मिनट टी ब्रेक करने अवकाश की घोषणा की। सदन के पुन: आरंभ होने पर विशेष सभा में नेताप्रतिपक्ष विधि यादव और सत्तापक्ष के पार्षद चन्द्रभान ठाकुर के विषय पर गहमा गहमी हुई। प्लेसमेंट कर्मचारी की दुर्घटना में मृत्यु पर जिम्मेदारी किसकी की बात कहते सवाल जवाब करते विपक्ष के पार्षद गर्भगृह में आकर बैठ गए। वहीं इसके पूर्व सत्तापक्ष के ही पार्षद चन्द्रभान ठाकुर ने ई.डब्ल्यू.एस. की जमीन का विवरण बजट पुस्तिका में नहीं होने का उल्लेख करने का प्रश्न सदन में उठाया था। दोनों ही विषय पर सभापति ने सदन में विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी गम्भीर होकर संबंधित विषय में कार्यवाही कर पार्षदों को सूचना दे।

एक नजर आय व्यय पर

कुल प्राप्तियां - 223 करोड़ 51 लाख
कुल व्यय - 223 करोड़ 38 लाख 92 हजार
बजट लाभ - 12 लाख 08 हजार

महापौर ने बताई उपलब्धि

- वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यो का उल्लेख महापौर शशि सिन्हा ने सदन में रखा। उन्होंने विशेष सम्मिलन में जानकारी दी कि अधोसंरचना मद के तहत 182 निर्माण कार्यो के लिए 13 करोड़ 36 लाख स्वीकृति हुई है।
- केन्द्र प्रवर्तित योजना 15वें वित्त अंतर्गत 21 करोड़ 47 लाख की लागत से कार्य कराए जाऐंगे। इस कार्य में डामरीकरण, मार्ग संधारण, सड़क पेच रिपेयरिंग, पाइप लाइन विस्तारीकरण, ओवर हेड टैंक निर्माण, वाहन आदि कार्य शामिल है।
- नगरोत्थान योजनांतर्गत 17 करोड़ 23 लाख की लागत से विकास कार्य पूर्ण किए जाऐंगे।
- सीएसआर मद से 01 करोड़ 32 हजार की लागत से अलग-अलग वार्डो में कार्य किए जाऐंगे। पार्षद निधि से 02 करोड़ 40 लाख् की स्वीकृति दी गई है। महापौर निधि से 01 करोड़ 12 लाख के निर्माण एवं विकास कार्य सामाग्री क्रय स्वीकृत किया गया है।
- रिसाली निगम क्षेत्र में 06 महिला समूहों द्वारा वुमेन फॉर ट्री योजना के तहत पौध रोपण कर उसकी देखभाल करने की जानकारी दी।

सरकारी धान खरीदी केंद्र को बनाया बीजेपी कार्यालय, स्थापना दिवस मे फहराया पार्टी ध्वज

भाजपा स्थापना दिवस पर सरकारी परिसर में झंडा फहराने से मचा बवाल

गरियाबंद (समय दर्शन)। गांव गांव मे बीजेपी अपना कार्यालय नहीं खोल पा रही है तो जिन धान खरीदी समितियों मे भाजपा के अध्यक्ष है उन्होंने धान खरीदी केंद्र को ही पार्टी कार्यालय बना दिया और भाजपा का झंडा फहरा दिया। जिले के ग्राम नाँगाबुडा,परसुली और दर्रीपारा के धान खरीदी केंद्र में बीजेपी स्थापना दिवस के दिन सामूहिक रूप से बैठक कर भाजपा का झंडा फहराने का मामला सामने आया है।यह स्थान पूरी तरह से सरकारी संपत्ति होने के बावजूद राजनीतिक गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने पर सवाल खड़े हो गए है।

बताया जा रहा है कि स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया और सरकारी धान खरीदी केंद्र परिसर में भाजपा का झंडा फहरा दिया गया।इस दौरान न तो प्रशासन से किसी प्रकार की अनुमति ली गई और न ही सरकारी नियमों का पालन किया गया।

पहले भी उठ चुका है मामला

इससे पहले छुरा के सिवनी में भी इसी तरह का मामला सामने आया था,जहां बीजेपी का झंडा सरकारी स्थल पर फहराया गया था। उस खबर को भी प्रमुखता से उठाया गया था,लेकिन कई जगह ऐसी घटना होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

कानून क्या कहता है?

सरकारी परिसरों का उपयोग किसी भी राजनीतिक गतिविधि के लिए करना नियमों के विरुद्ध माना जाता है,साथ ही भारतीय दंड संहिता (ढ्क्ष्ट) की धारा 188 के तहत शासकीय आदेशों की अवहेलना करने पर कार्रवाई हो सकती है।वही लोक संपत्ति का दुरुपयोग भी दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।इसके अलावा,चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार भी सरकारी संपत्ति पर किसी दल विशेष का प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित है।

प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

इतने गंभीर मामले के बावजूद स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या राजनीतिक दबाव के चलते नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है?

जनता में आक्रोश

स्थानीय ग्रामीणों और अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में इस घटना को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि सरकारी संपत्ति का इस तरह से राजनीतिक उपयोग लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सही संकेत नहीं है।द्धजांच और कार्रवाई की मांग

इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

इस विषय में जिला नोडल अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने कहा कि किसी भी पार्टी का झंडा फहराना गलत है, धान खरीदी केंद्र सरकारी सम्पत्ति है दोषियों से स्पष्टीकर लेकर कार्यवाही किया जायेगा।

अपहरण के आरोपी शौचालय के रोशनदान से हुआ फरार,जांच में जुटी पुलिस

दीपक पटेल

सरायपाली ग्रामीण (समय दर्शन)। बलौदा थाना क्षेत्र में अपहरण मामले में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां पुलिस अभिरक्षा में लिया गया संदेही आरोपी शौचालय के रोशनदान से फरार हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, थाना बलौदा में पदस्थ आरक्षक द्वारा बताया गया कि अपराध क्रमांक 18/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपहृता बालिका, निवासी ग्राम किसडी, की बरामदगी प्रधान आरक्षक 100 बाजीपाल बाघ द्वारा दिनांक 05.04.2026 को ग्राम बरडीह थाना बसना से की गई थी। बालिका को संदेही आरोपी लखन उर्फ भोला कुमार के कब्जे से बरामद कर थाना बलौदा लाया गया था।

इसके पश्चात आरक्षक की ड्यूटी संदेही आरोपी लखन उर्फ भोला कुमार को मुलाहिजा (चिकित्सीय परीक्षण) हेतु थाना बलौदा से सीएचसी सरायपाली ले जाने की लगाई गई। आरक्षक द्वारा आरोपी को सीएचसी सरायपाली ले जाकर डॉक्टर से मुलाहिजा कराया गया तथा परीक्षण उपरांत आरोपी को पुन: थाना बलौदा लाया गया। थाना पहुंचने के बाद संदेही आरोपी ने शौच जाने की बात कही, जिस पर उसे थाना भवन स्थित महिला बंदीगृह के पास बने शौचालय में भेजा गया। आरोपी अंदर जाकर दरवाजा बंद कर लिया, जबकि आरक्षक शौचालय के दरवाजे के बाहर खड़ा रहा।

करीब 5-6 मिनट तक आरोपी के बाहर नहीं आने पर आरक्षक द्वारा आवाज दी गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर आरक्षक द्वारा शौचालय का दरवाजा जोर से धक्का मारकर खोला गया।

दरवाजा खुलने पर अंदर आरोपी मौजूद नहीं मिला। जांच में पाया गया कि संदेही आरोपी लखन कुमार शौच के बहाने शौचालय में अपने दोनों चप्पल छोड़कर रोशनदान के रास्ते कूदकर भाग गया। आरोपी थाना भवन के पीछे लगे फेसिंग तार को पार कर फरार हो गया।

घटना की जानकारी तत्काल थाना में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दी गई। इसके बाद थाना स्टाफ द्वारा थाना परिसर, आसपास के क्षेत्र एवं आरोपी के सकुनत पर तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

पुलिस अभिरक्षा से आरोपी के फरार होने की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है तथा धारा सदर के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

लॉ एंड ऑर्डर के मामले में पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी - कलेक्टर आकाश

यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध होगी कार्रवाई- एसपी शलभ सिन्हा

जगदलपुर (समय दर्शन)। जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु कलेक्टरआकाश छिकारा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसपी शलभ सिन्हा सहित जिले के सभी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।

कलेक्टर ने कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक में संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति एवं विकास कार्यों को प्रभावित करने वाले तत्वों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में एसपी शलभ सिन्हा ने कहा कि जिले में लॉ एंड ऑर्डर के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए नियमों का पालन अनिवार्य है। अवैध रूप से वाहन खड़े करने, सड़क पर अतिक्रमण करने तथा यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति के रैली का आयोजन और सभा करने वालों पर भी सख्ती से कार्रवाई की जाएगी । एसपी ने आम नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें, जिससे शहर में सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। पुलिस विभाग द्वारा प्रमुख चौक-चौराहों एवं व्यस्त मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

कवर्धा शहर में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने विशेष अभियान शुरू

नो पार्किंग क्षेत्रों को चिन्हित कर विशेष निगरानी होगी

कवर्धा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल के मार्गदर्शन में कवर्धा शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नव पदस्थापित यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह पदभार ग्रहण करने के बाद शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यातायात के सुचारू संचालन में आ रही बाधाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक उपायों के निर्देश दिए।

यातायात पुलिस आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए लगातार समझाईश अभियान भी चला रहा है, जिसमें वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। यातायात प्रभारी श्री सिंह ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें, नियमों का पालन करें तथा अपने वाहन निर्धारित स्थानों पर ही पार्क करें।

यातायात नियमों का उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी

यातायात प्रभारी श्री सिंह ने बताया कि कवर्धा शहर में बढ़ते यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिस की तैनाती बढ़ाई जा रही है।

साथ ही अव्यवस्थित पार्किंग, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना हेलमेट वाहन चलाना एवं ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि शहर में नो पार्किंग क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाने की कार्रवाई भी लगातार जारी है। इसके अतिरिक्त स्कूल, कॉलेज एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने हेतु विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा

अधिकारियों को अवैध कब्जों पर कार्रवाई और योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रखर चंद्राकर,अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर ने अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए विभागीय समन्वय करते हुए कार्य करने को कहा।

कलेक्टर ने ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस और स्पैरो पोर्टल की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इन सभी ऑनलाइन प्रणालियों के शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि सभी फाइलों का समयबद्ध निपटान ई-ऑफिस के माध्यम से ही किया जाए। ई-एचआरएमएस में कर्मचारियों से संबंधित डाटा को अद्यतन करने पर जोर दिया गया।स्पैरो पोर्टल में लंबित एपीएआर शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। श्री उइके ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों को समय पर प्रस्तुत करें। जिससे प्रशासनिक कार्यों की पारदर्शिता बनी रहे। सभी शिक्षकों का अद्यतन विवरण सत्यापन के साथ पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दूरस्थ अंचलों में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश दिए। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सके।

कलेक्टर ने शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे कर मकान बनाने वाले के खिलाफ नोटिस जारी कर कानूनी कार्रवाई करें।इसी तरह शासकीय कर्मचारियों द्वारा अवैध निर्माण या कब्जे की स्थिति में भी नोटिस देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।उन्होंने 'कैच द रेन' अभियान के तहत वर्षाजल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण और अधिक करने पर जोर दिया।बैठक में छुटे हुए विद्यालयीन बच्चों का आधार,अपार आईडी शीघ्र बनाने,पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन स्कूल,आंगनबाड़ी, सड़क एवं अन्य अधोसंरचना कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सचिव,ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और पटवारी अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में सप्ताह में कम से कम तीन दिन अनिवार्य रूप से बैठें,जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सके।उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त-खबर

चावल उत्सव के साथ आवास दिवस एवं रोजगार दिवस का किया गया आयोजन

जांजगीर (समय दर्शन)। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आज चावल उत्सव के साथ आवास दिवस एवं रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों की व्यापक सहभागिता निभायी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी आमजन को दी गई। हितग्राहियों को आवास निर्माण की प्रगति, स्वीकृत राशि, जियो-टैगिंग एवं अन्य प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। साथ ही, 90 दिनों में सभी स्वीकृत आवास पूर्ण करने हेतु ग्राम सभाओं में कार्ययोजना तैयार की गई। मोर गांव-मोर पानी महाअभियान के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं। विभिन्न स्थलों पर जल संरचनाओं के निर्माण, भूमिपूजन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुए। वृक्षारोपण एवं नर्सरी कार्यों की तैयारी के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। सीएलएफ के माध्यम से नए तालाब निर्माण हेतु स्थलों का चिन्हांकन कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने की दिशा कार्य करने कहा गया। मनरेगा के अंतर्गत नए कार्यों की शुरुआत, आजीविका डबरी निर्माण तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने पर कहा गया।

जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग चुनाव: केशव वर्मा बने कार्यकारिणी सदस्य

पाटन (समय दर्शन)। जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के सत्र 2026-28 के आम निर्वाचन में व्यवहार न्यायालय पाटन के वरिष्ठ अधिवक्ता केशव वर्मा कार्यकारिणी सदस्य पद पर निर्वाचित हुए हैं। उनकी जीत पर पाटन न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के बीच खुशी का माहौल देखा गया।

निर्वाचन परिणाम घोषित होने के बाद अधिवक्ता शेखर वर्मा, दिनेश वर्मा, राजेश ठाकुर, नीलकमल कुलदीप, धनेश वर्मा, जे.पी. वर्मा, देवेंद्र साहू, लखनवर साहू, अजय मेघराम, मिरशेद शुक्ला, भूषण लाल साहू, तुलसीराम देवांगन, पीतलराम देवांगन, सुजल देवांगन, रामेश्वर मेघराम, गौतम यादव, लखन यादव, गीता साहू, तारिणी यादव, तृजना जंघेली, हेमवती सहित अनेक अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई दी।

चेस चैंपियनशिप होगी 19 को,नकद राशि मिलेगी ईनाम में, खिलाड़ियों में उत्साह

जगदलपुर (समय दर्शन)। दी चेस नेशन द्वारा शहर में 19 अप्रैल को निर्मल विद्यालय में चेस चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जिले व आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ी भाग लेंगे।

प्रतियोगिता के तहत प्रतिभागियों को सुबह 9 बजे रिपोर्टिंग करनी होगी, जबकि पहला राउंड 9:30 बजे से शुरू होगा। टूर्नामेंट 10+5 टाइम कंट्रोल और स्विस सिस्टम (7/8/9 राउंड) के आधार पर खेला जाएगा।

आयोजन की खास बात ?34,800 का आकर्षक कैश प्राइज पूल है। प्रथम पुरस्कार ?11,000, द्वितीय पुरस्कार ?7,500,तीसरा पुरस्कार 5,100 और चौथे से दसवें स्थान पर रहने वालों को ?1,000 एवं सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा।

विशेष श्रेणियों में बेस्ट फीमेल ओपन ?1,000, अंडर 11 एवं अंडर-15 बेस्ट फीमेल और मेल ?1,000 के लिए भी पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं,

प्रतियोगिता का प्रवेश शुल्क ?600 रखा गया है। तपंजीयन की अंतिम तिथि 15 अप्रैल निर्धारित की गई है। आयोजन टीम में अनन्य मिगलानी,उमर रिजवी एवं अनन्य पांडेय सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

खाद विक्रय केंद्र में अनियमितता पर सख्त कार्रवाई, गोदाम सील

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में कृषि आदान सामग्रियों की सुचारू उपलब्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा सतत निगरानी एवं निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है तथा शिकायतों एवं त्वरित कार्रवाई के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। सहकारी समितियों एवं निजी खाद विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर स्टॉक की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इसी अभियान के तहत 06 अप्रैल 2026 को सहायक संचालक कृषि डॉ. श्याम लाल साहू द्वारा विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम कुसमी स्थित मां शक्ति कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में उपलब्ध पीओएस मशीन में दर्ज खाद स्टॉक एवं भौतिक रूप से उपलब्ध खाद की मात्रा का मिलान किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26